सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 16 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बीजापुर व कांकेर में 72 नक्सलियों ने किया सरेंडर, कुल 66 लाख रुपए का था इनाम, नौ महिलाएं भी शामिल

बीजापुर में 51 और कांकेर में 21 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, सीएम साय बोले-सीएम साय- मिट रहा भय का अंधकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ बीजापुर जिले में एक बार फिर सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति और पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन योजना के तहत यहां 51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में नौ महिलाएं और 42 पुरुष नक्सली शामिल हैं। समर्पित नक्सलियों में पीपीसीएम (प्लाटून पार्टी कमेटी मेंबर), पीएलजीए (पीपुल्स लिबरल गुरिल्ला आर्मी) बटालियन नंबर-1, कंपनी नंबर 1, 2, 5 के मेंबर, एरिया कमेटी, एलओएस कैडर के सदस्य शामिल हैं। इन पर कुल 66 लाख का इनाम घोषित था। इससे पहले कांकेर में 21 नक्सलियों ने 18 हथियारों के साथ सरेंडर किया था। इस प्रकार कुल 72 नक्सलियों ने सरेंडर किया।

सभी ने हिंसा का मार्ग त्यागकर लोकतांत्रिक व्यवस्था में आस्था व्यक्त की और सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया। एक नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। उनके दौरे से पहले बीजापुर 51 व कांकेर में 21 नक्सलियों का समर्पण बड़ी सफलता

मानी जा रही है। सरकार की पुनर्वास नीति का असर है जिससे नक्सली सरेंडर कर रहे हैं।

2024 से अब तक 650 नक्सलियों ने सरेंडर किया

2024 से अब तक जिले में 650 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। वहीं, 196 नक्सली मुठभेड़ों में मार गिराए जा चुके हैं। जबकि 986 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। पिछले दिनों 210 नक्सलियों ने सरेंडर किया था जिसमें मोस्ट वांटेड नक्सली रूपेश भी शामिल था। इन नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ सीआरपीएफ की 85वीं, 199वीं बटालियन और कोबरा 210 व 201 बटालियन की मुख्य भूमिका रही।

सरेंडर करने वाले सभी को दी जाएगी पुनर्वास प्रोत्साहन राशि प्रदान

सरेंडर 51 नक्सलियों को राज्य शासन की ओर से 50,000 की पुनर्वास प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। राज्य शासन की पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन नीति ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास की मजबूत नींव रखी है। प्रशासन, सुरक्षा बल, सामाजिक संगठन और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से हिंसा की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में बदला जा रहा है। अभियान में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ केरिपु-85, केरिपु-199 तथा कोबरा-210 और 201 बटालियन की टीमों का विशेष योगदान रहा।

कांकेर में 21 नक्सलियों का सरेंडर 13 महिला और 8 पुरुष शामिल

उत्तर बस्तर में सक्रिय रहे 21 माओवादियों ने 18 हथियारों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। जंगलवार कॉलेज में सभी नक्सलियों का रेड कारपेट बिछाकर स्वागत किया गया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को बस्तर आईजी ने संविधान की प्रति सौंपी। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली केशकल डिवीजन (नॉर्थ सब जोनल ब्यूरो) की कुएमारी और किसकोडो एरिया कमेटी से संबंधित हैं। इनमें डिवीजन कमेटी सेक्रेटरी मुकेश भी शामिल हैं। कुल 21 कैडरों में 13 महिला और 8 पुरुष शामिल हैं। इन कैडरों में 4 डीवीसीएम (डिवीजन वाइस कमेटी मेंबर), 9 एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) और 8 पार्टी सदस्य हैं, जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। नक्सल कैडरों द्वारा सौंपे गए हथियारों में 3 एके-47 राइफलें, 4 एसएलआर राइफ्लें, 2 इंसास राइफलें, 6 संख्या में 303 राइफ्लें, 2 सिंगल शॉट राइफलें और 1 बीजीएल हथियार शामिल हैं।

'माओवादियों को आकर्षित कर रहीं योजननाएं'

बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने कहा राज्य शासन की पुनर्वास नीति माओवादियों को आकर्षित कर रही हैं। मुख्यधारा में प्रवेश करने वाले माओवादियों के परिजन भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जिएं और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। एसपी जितेंद्र कुमार यादव ने माओवादियों से अपील की है कि वे भ्रामक विचारधाराओं को त्यागें और निर्भय होकर समाज की मुख्यधारा में लौटे, ताकि क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास स्थापित हो और उनके जीवन में भी सुधार आ सके।

सरकार की नीतियों से हिंसक विचारधारा में लिप्त युवाओं में नया विश्वास जगा : सीएम साय

नक्सलियों के समर्पण पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 और नियद नेल्ला नार योजना ने माओवाद की हिंसक विचारधारा में लिप्त युवाओं में नया विश्वास जगाया है। हिंसा का रास्ता छोड़कर वे अब मुख्यधारा में लौट रहे हैं। सीएम साय ने कहा कि बीजापुर जिले में चलाए जा रहे पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवनअभियान के तहत सुरक्षाबलों के निरंतर प्रयासों से आज एक बार फिर कुल 66 लाख के इनामी 51 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर संविधान पर आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया है। सीएम साय का कहना है कि यह कदम इस बात का प्रमाण है कि बस्तर अब भय और हिंसा के अंधकार को मिटाते हुए शांति और प्रगति के नए युग में प्रवेश कर रहा है। शासन की संवेदनशील नीतियों और मानवीय दृष्टिकोण ने यह साबित कर दिया है कि संवाद इस समस्या का स्थायी समाधान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश अब नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है।

खास-खबर

कक्षा छठी के छात्र ने हॉस्टल के कमरे में लगा ली फांसी, जांच में जुटी पुलिस

दंतेवाड़ा। जिले के बारसूर थाना क्षेत्र में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां कक्षा 6 के एक 11 वर्षीय छात्र ने अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र सुनील पोड़ियामी, जो कि गाटम, दंतेवाड़ा का रहने वाला था, गुरुवार की सुबह अपने हॉस्टल के कमरे में मृत पाया गया। उसके साथ रहने वाले अन्य छात्रों ने उसे पंखे से लटका हुआ देखा तो तत्काल रस्सी काटकर उसे बचाने का प्रयास किया और बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरके बर्मन ने बताया कि फिलहाल छात्र के पास से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस हॉस्टल के अन्य छात्रों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। साथ ही, मृतक छात्र के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है और उनसे भी घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है।

1.25 करोड़ ओबीसी लोगों का बनेगा डिजिटल डेटाबेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की वास्तविक स्थिति जानने के लिए राज्य सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा डेटा-आधारित सामाजिक अध्ययन शुरू

किया है। छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग करीब 1.25 करोड़ ओबीसी नागरिकों पर शोध कर रहा है। इसके लिए आयोग ने एक विशेष सॉफ्टवेयर तैयार कराया है, जिसमें जिलों से जुटाए गए सभी आंकड़े अपलोड किए जाएंगे। यह डेटा आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और सामाजिक पहलुओं का विस्तृत विश्लेषण करेगा।

राज्य में लगभग 95-96 ओबीसी जातियां हैं। इनमें रंगरेज, भिश्ती, धोबी, नाई, तेली, लोहार, सुनार, बढ़ई, भोई, केंवट, पिंजारा, अहीर और अन्य समाज शामिल हैं। आयोग जिलों में इन समाजों के प्रमुखों से संवाद कर कैंप, वर्कशॉप और संगोष्ठियों का आयोजन कर रहा है। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस आर.एस. विश्वकर्मा और सदस्य नीलांबर नायक, बलदाऊ राम साहू, यशवंत सिंह वर्मा, हरिशंकर यादव, शैलेंद्री परगनिया और कृष्णा गुप्ता ने अब तक मनेंद्रगढ़, कोरबा, चिरमिरी-भरतपुर समेत आधा दर्जन जिलों का दौरा किया है। आयोग की टीम ने कलेक्टरों और अधिकारियों से चर्चा कर यह जानकारी ली कि सरकारी योजनाओं का कितना लाभ ओबीसी वर्ग को मिल रहा है, किन योजनाओं में कितनी राशि स्वीकृत और व्यय हुई है, और कितने लोग लाभांवित हुए हैं।

रायगढ़ में पकड़ाया 1200 बोरी अवैध धान, दस्तावेज नहीं दिखाने पर राजस्व विभाग ने किया जब्त

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में धान खरीदी शुरू होने से पहले 12 सौ बोरी अवैध धान पकड़ाया है। 29 अक्टूबर को ग्राम उदउदा के एक घर से अवैध भंडारण कर रखे गए धान को जब्त किया गया है। मंडी और राजस्व की टीम ने कार्रवाई की। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, राजस्व व मंडी के पदाधिकारियों को सूचना मिली कि धरमजयगढ़ ब्लॉक के ग्राम उदउदा में कपिल यादव ने काफी मात्रा में धान को भंडारण कर रखा है। इसके बाद मंडी और राजस्व अमला ने तुरंत मौके पर दबिश दी। जहां कपिल यादव के घर जांच करने पर 12 सौ बोरी धान मिला। पूछताछ करने पर उसने टालमटोल कर बात को घुमाने की कोशिश की और कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। मामले में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

खुर्सीपार में पड़ोसी युवक को घर बुलाया और पीट पीटकर मार डाला

■ तिरंगा नगर मांझी चौक के पास गुरुवार सुबह की घटना, हिरासत में संदिग्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में गुरुवार को फिर एक हत्या की वारदात हो गई। पड़ोस में रहने वाले युवक को घर बुलाया और उसे इतना पीटा की उसकी जान निकल गई। यह वारदात आज सुबह 9 बजे के आसपास केनाल रोड के नजदीक तिरंगा नगर मांझी चौक के पास हुई है। मृतक धीरज शाह उर्फ विक्की (25) है। पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते हुई इस हत्या के मामले में दो सगे भाईयों सहित पांच को हिरासत में ले लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार खुर्सीपार के तिरंगा नगर मांझी चौक के पास गुरुवार को पड़ोसी परिवार की पिटाई से एक युवक की मौत हो गई। मृतक धीरज शाह उर्फविक्की को पडोस में रहने वाले सूरज और सुधांशु ने अपने घर बुलाया था। धीरज जब वहां पहुंचा तो सूरज और सुधांशु ने उसके साथ कथित प्रेम प्रसंग की बात पर सवाल जवाब के साथ विवाद करना शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर सूरज और सुधांशु ने धीरज शाह के साथ मारपीट शुरू कर दिया।

इस दौरान धीरज के सिर को दीवार से पटकने की बात भी सामने आई है। इस वजह से धीरज के सिर पर गंभीर चोट लगने से ज्यादा मात्रा में खून बहने लगा और थोड़ी देर बाद उसने दम तोड़ दिया।

इस बात की जानकारी मिलते ही धीरज का परिवार और मोहल्ले के लोग वहां पहुंचे। सूचना पर खुर्सीपार पुलिस भी पहुंच गई। मामले में सूरज व सुधांशु सहित पांच लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

पेंशनरों के लिए सरकार की बड़ी सौगात, अब घर बैठे बना सकेंगे जीवन प्रमाण पत्र

■ मुख्यमंत्री साय की मंशानुरूप, वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रयासों से शुरू हुआ डिजिटल अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पेंशनरों के लिए राहत और सुविधा की बड़ी सौगात मिली है। अब उन्हें जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बैंकों या कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रयासों से पेंशनरों के लिए यह डिजिटल सुविधा प्रारंभ की गई है। केंद्र व छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 के अंतर्गत पेंशनर घर बैठे जीवन प्रमाण पत्र बना सकेंगे।

जिला प्रशासन के निर्देशन में रायगढ़ जिले में इस अभियान के क्रियान्वयन की तैयारी पूरी कर ली गई है और जिले के सभी पेंशनरों तक यह सुविधा सुगमता से पहुंचाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। पेंशन एवं भविष्य निधि संचालनालय, रायपुर द्वारा प्रारंभ इस सुविधा के अंतर्गत पेंशनर अपने एंड्रॉइड मोबाइल फोन में आधार फेस आरडीऔर जीवन प्रमाण फेस ऐप डाउनलोड कर, चेहरे की पहचान के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बना सकेंगे। यह तकनीक पूरी तरह सुरक्षित, सरल और पारदर्शी है, जिससे पेंशनरों को अपने घर के आरामदायक वातावरण में ही प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा मिलेगी।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 पूरे देश में 1 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक संचालित होगा। इस अवधि में रायगढ़ जिले में भी विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पेंशनरों को इसका लाभ मिल सके। अभियान के दौरान रायगढ़, खरसिया और एडीबी रायगढ़ सहित जिले के सात प्रमुख स्थानों पर जीवन प्रमाण पत्र शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में स्टेट बैंक ऑफइंडिया और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की टीमें पेंशनरों को प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही जिन पेंशनरों को मोबाइल ऐप का उपयोग करने में कठिनाई होती है, वे अपने नजदीकी बैंक या पोस्ट ऑफिस जाकर फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से भी प्रमाण पत्र बनवा सकेंगे।

होम विजिट सुविधा भी उपलब्ध

राज्य शासन ने वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 80 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले पेंशनरों को अक्टूबर माह से ही प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति दी है। वहीं, जो पेंशनर स्वास्थ्य कारणों या अन्य परिस्थितियों के कारण घर से बाहर नहीं जा सकते, उनके लिए होम विजिट सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिसके तहत बैंक या पोस्ट ऑफिस की टीम उनके घर पहुंचकर जीवन प्रमाण पत्र तैयार करेगी। इस अभियान का संचालन भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के समन्वय में किया जा रहा है। राज्य स्तर पर वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि, रायपुर द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य पेंशनरों के जीवन को सरल, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि उन्हें सरकारी प्रक्रियाओं के लिए किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रचार तंत्र ने तमाशा बनाकर रख दिया

श्रीकंचनपथ

किसी भी सेलेब्रिटी, बाबा अथवा नेता की औकात का अंदाजा उसे देखने के लिए जुटने वाली भीड़ से लगाया जाता है। भीड़ इकट्ठा करने के लिए बाकायदा जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं। पहले केवल गांवों से बसों, ट्रकों और ट्रैक्टर ट्रॉलियों में भरकर भीड़ मंगवाई जाती थी। पर अब इस धंधे ने भी काफी तरक्की कर ली है। भीड़ जुटाने के लिए तरह-तरह के बहाने ढूंढे जाते हैं। नेताजी फलां योजना का चेक बांटेंगे। नेताजी फलां लोगों को संबोधित करेंगे, आदि-आदि। नेताजी के स्वागत के लिए सड़क के दोनों तरफ स्कूली बच्चों को धूप में, बारिश में यहां तक कि कड़ाके की सर्दी में भी खड़ा किया जाता रहा है। स्कूल के बच्चे स्कूल बसों में ही लादकर लाए जाते हैं। गरीब ग्रामीण आबादी के लिए मुफ्त का भोजन भी एक बड़ा लालच होता है। वो कच्चा-बच्चा धरकर यहां पहुंच जाते हैं। पर प्रचार तंत्र ऐसा भी करेगा, यह सोच समझ से परे था। रायपुर का स्वनामधन्य श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल का शुमार बच्चों के हृदय रोगों के लिए सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में होता है। यहां न केवल बच्चों का इलाज फ्री में होता है बल्कि उसके साथ आने वाले परिजनों के लिए निवास एवं भोजन का भी प्रबंध होता है। नि:संदेह यह एक बड़े परोपकार का काम है जिसकी सराहना होनी चाहिए। पर यह क्या कि सेलेब्रिटियों के सामने प्रस्तुत करने के लिए उनका तमाशा बना दिया जाए।

समाचारों के अनुसार इस अस्पताल में इलाज करा चुके 3500 बच्चों को अस्पताल प्रशासन ने रुटीन चेकअप के लिए बुलाया। देश के कोने-कोने से नए पुराने मरीज और उनके परिजन यहां पहुंच गए। जांच के बाद उन्हें बताया गया कि 31 अक्टूबर को लिटिल मास्टर के नाम से ख्यातिप्राप्त क्रिकेटर सुनील गावस्कर अस्पताल आ रहे हैं। वे इन बच्चों से मिलना चाहते हैं। कैसे कोई व्यक्ति साल-छह महीना पहले इलाज करवाकर अपने घर जा चुके बच्चों से अस्पताल में मिलने की उम्मीद कर सकता है? इसके बाद एक नवम्बर को राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी रायपुर आ रहे हैं। अस्पताल प्रशासन चाहता था कि बच्चे उनसे भी मुलाकात करें। परिजनों को भी कोई आपत्ति नहीं थी। उनके आवागमन, आवास और भोजन का भी पूरा प्रबंध था। यह इंतजाम जिसने भी किया, उससे ज्यादा असंवेदनशील और कोई हो नहीं सकता। बच्चों और उनके अभिभावकों को बसों में भरकर राज्योत्सव स्थल भेज दिया गया। यहां पांच डोम इनके लिए उपलब्ध कराए गए थे। इसमें जमीन पर फोम के पतले गद्दे और उसके ऊपर पतली सी चादर बिछाकर बिस्तर तैयार किया गया था। मोबाइल चार्जिंग के लिए दो पाइंट और स्टेडियम के 6 वॉशरूम के भरोसे पांच हजार से अधिक लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई थी। इंतजाम देखकर किसी का भी माथा खराब हो जाता। बारिश और बदली के कारण हवा में नमी है। ठंड शुरू हो चुकी है। मानवीयता-अमानवीयता का आखिर यह कैसा घालमेल है?

संपादकीय

किसानों की समृद्धि की नयी राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है।

> “ ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी।

भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन-धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सृजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतज़ार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराना भी इस योजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। अब उन्हें सस्ते ऋण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी। निस्संदेह, पीएम धन-धान्य योजना भारतीय कृषि को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। यदि इसका क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हुआ, तो यह देश के खेतों को हरियाली से, और किसानों के चेहरों को समृद्धि की मुस्कान से भर देगी। पीएम धन-धान्य कृषि योजना के दूरगामी परिणाम अत्यंत सकारात्मक हो सकते हैं। इस योजना से कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य साकार हो सकेगा। भंडारण और विपणन तंत्र के सशक्त होने से फसल की बर्बादी घटेगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी, रोजगार सृजन बढ़ेगा और कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा। दीर्घकाल में यह योजना भारत को कृषि शक्ति से कृषि समृद्ध राष्ट्र बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

आदिवासी वीर नायकों को समर्पित है देश का पहला डिजिटल संग्रहालय

जी.एस. केशरवानी,
उप संचालक

डॉ. ओम प्रकाश डहरिया,
सहायक जनसम्पर्क अधिकारी

आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा जहां देशभर के आदिवासियों के प्रेरणापूंज है। ठीक उसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी फिरंगियों के विरूद्ध बिगुल फूंकने का काम सोनाखान के जमींदार वीर नारायण सिंह ने किया। उन्होंने फिरंगियों की दमन और शोषणकारी नीतियों के विरूद्ध विद्रोह का बिगुल फूंका और उनसे लड़ते हुए शहीद हुए। उन्हें छत्तीसगढ़ का प्रथम शहीद माना जाता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शहीद वीर नारायण सिंह और फिरंगियों के विरुद्ध संघर्ष करने वाले आदिवासी नायकों की स्मृतियों को संजोने और भावी पीढ़ी तक उनके प्रेरणास्पद कार्यों को पहुंचाने के लिए नवा रायपुर में संग्रहालय बनाने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से पूरा आदिवासी समाज गौरवान्वित है।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि नवा रायपुर के सेक्टर 24 में तैयार किया जा रहा है भव्य संग्रहालय अपने आप में अनूठा है। यह देश का पहला डिजिटल संग्रहालय है। लगभग 50 करोड़ रूपए की लागत से इस संग्रहालय को तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर इस संर्ग्रहालय का लोकार्पण करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की।

उन्होंने जनजाति समाज को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए देश का सबसे बड़ा अभियान पीएम जनमन और प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना शुरू की। इस अभियान के तहत जनजाति इलाकों में सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाओं के साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है।

संग्रहालय में शहीद वीर नारायण सिंह का भव्य स्मारक भी बनाया गया है। साथ ही यहां छत्तीसगढ़ में आदिवासी विद्रोहों हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम, परलकोट, तारापुर, लिंगागिरी, कोई, मेरिया, मुरिया, रानी चौरिस, भूमकाल, सोनाखान विद्रोहों के साथ ही झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह की जीवंत झलक दिखाई गई है। इन विद्रोहों को अलग-अलग 14 सेक्टरों में बांटा गया है। अत्याधुनिक इस डिजिटल संग्रहालय में आगतुंकों के लिए वीएफएक्स टेक्नोलॉजी, प्रोजेक्शन, डिजिटल स्क्रीन, मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर सरगुजा कलाकारों की नक्काशीदार पैनल, 1400 वर्ष पुराने साल-महुआ और साजा वृक्ष की प्रतिकृति जिसकी पत्तियों पर 14 विद्रोहों की डिजिटल कहानी उकेरी गई है। यह वृक्ष मोशन फिल्मों की तरह पूरे विद्रोहो की कहानी बतलाती प्रतीत होगी। इस संग्रहालय में सेल्फी पॉइंट, दिव्यांग सुविधाएं, सीनियर सिटीजन के लिए विशेष इंतजाम, ट्राइबल आर्ट से सजा फर्श, भगवान बिरसा मुंडा, शहीद गैंदसिंह और रानी गाइडल्यू की मूर्तियां भी लगाई गई है, जो लोगों के लिए प्रेरणाप्रद होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कहते हैं कि यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ जनजातीय संस्कृति का वैश्विक केंद्र बनेगा। यहां आने वाले लोगों को आदिवासी वीर नायकों की शौर्य गाथा से गर्व की अनुभूति होगी। यह आदिवासी समाज की पूर्वजों की स्मृति है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

छात्रों में बढ़ती जा रही हिंसात्मक गतिविधियां

सोनम लववंशी

देश के तमाम शहरों के विद्यालयों में छात्रों के द्वारा की जा रही हिंसात्मक गतिविधियों पर लोगों को सोचने पर विवश कर दिया है। एक घटना जिसमें दसवीं के छात्र की हत्या और दूसरी घटना नरसिंहपुर में एक छात्र द्वारा अपनी शिक्षिका पर पेट्रोल डाल कर उन्हें आग के हवाले कर देना। दोनों घटनाएं अलग-थलग वारदात नहीं, बल्कि उस गहरे संकट की परछाई हैं, जो हमारी सामाजिक संरचना और परवरिश के तौर-तरीकों को चुनौती दे रहा है। बच्चे, जिनकी दुनिया खेलकूद, पढ़ाई और मासूमियत से भरी होनी चाहिए, आज हिंसा, हताशा और प्रतिशोध के घेरे में फंसते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि अपराधी कौन है, बल्कि यह है कि अपराध की जड़ें इतनी गहरा क्यों गई हैं।

यदि बीते आठ वर्षो के परिप्रेक्ष्य में देखें तो 2014-22 के बीच बाल अपराधों में 81 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज की नींव कहीं न कहीं कमजोर हुई है। बाल अपराधों में सर्वाधिक हिस्सा यौन शोषण का है। बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज मामलों का अनुपात लगातार 36 फीसद के आसपास बना हुआ है अर्थात हर तीसरे अपराध में कोई न कोई बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार होता है। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाती, बल्कि समाज की सामूहिक संवेदनहीनता को भी उजागर करती है। ऐसे में अपराध ही नहीं, बच्चों का मानसिक संतुलन भी गहरे संकट में है। एनसीआरबी की दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्या संबंधी रिपोर्ट बताती है कि 2022 में लगभग तेरह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में हुई कुल आत्महत्याओं का लगभग सात फीसद है। सोचिए, केवल परीक्षा में असफल होने के कारण ग्यारह सौ से अधिक बच्चों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। कुल मिला कर अठारह वर्ष से कम आयु के दस हजार से अधिक बच्चों ने 2022 में आत्महत्या का रास्ता चुना और इनमें लड़कियों की संख्या अधिक रही। यह आंकड़ा सिद्ध करता है कि बच्चे अपने ही घर और विद्यालय के दबावों से हार मान रहे हैं। वहीं नाबालिगों द्वारा किए जा रहे अपराध भी भयावह दिशा में बढ़े हैं। 2016 में किशोरों द्वारा अपराधों में हिंसक घटनाओं का अनुपात 32 फीसद था, जबकि 2022 तक यह बढ़ कर लगभग 50 फीसद हो गया अर्थात संख्या स्थिर रही, किंतु स्वरूप अधिक क्रूर और हिंसक हो गया।

दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पिछले दो वर्षो में नाबालिगों को हत्या, लूटपाट और रेप जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं में प्राय: मोबाइल फोन, हथियार और इंटरनेट की आसान उपलब्धता बड़ी वजह के रूप में सामने आई। डिजिटल संसार भी बच्चों की सुरक्षा के लिए चुनौती बन चुका है। 2022 में साइबर अपराधों में चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई और इनमें अनेक मामलों में पीड़ित सीधे तौर पर बच्चे ही थे। अनियंत्रित तकनीकी पहुंच और आभासी दुनिया का मोह बच्चों को वास्तविक जीवन से काट कर असुरक्षित बना रहा है। ये सारे तथ्य बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक संवाद की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। विद्यालयों में अब भी अनिवार्य परामर्शदाता व्यवस्था नहीं है। अध्यापक ज्ञान बांटने में सक्षम हैं परंतु बच्चों के भावनात्मक संघर्ष को समझने और संभालने के लिए प्रशिक्षित नहीं। परिवारों में संवाद का दायरा सीमित होता जा रहा है। अभिभावक बच्चों की चिंताओं और हताशाओं को सुनने की बजाय केवल अंक पत्र और करियर पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। समाज मानसिक स्वास्थ्य को विशेष वर्ग का विषय मानता है, जबकि यह हर बच्चे की मूलभूत आवश्यकता है। अनेक देशों में विद्यालयों में अनिवार्य मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की जा चुकी है। कला, खेल और संवाद पर आधारित पुनर्वास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किशोर अपराधों से निपटने के लिए 'पुनर्स्थापनात्मक न्याय' पद्धति अपनाई जा रही है, जिसमें अपराधी किशोर को कठोर दंड की बजाय पीड़ित और समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया में शामिल कर सुधार की दिशा दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष और वि स्वास्थ्य संगठन चेतावनी दे चुके हैं कि किशोर अपराध को केवल अपराध मान कर कठोर दंड देना समाधान नहीं है। समस्या बहुआयामी है, और इसका समाधान संवेदनशील परवरिश, संवाद और सामाजिक सहयोग से ही संभव है। कुल मिला कर देखें तो हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को हिंसा और निराशा से बचा पाएंगे?

और भी जातियों की पार्टियां बनेंगी

हरिशंकर व्यास

नीतीश सरकार की कराई जाति गणना के बाद बिहार में पहला चुनाव है। यह चुनाव कई तरह से राजनीति को बदलने वाला है। आखिरी बार अंग्रेजी राज में 1931 में जाति गणना हुई थी और उसके बाद भी जातियों का ध्रुवीकरण नए तरह से हुआ था। उस समय कांग्रेस के सवर्ण नेतृत्व के खिलाफ यादव, कोईरी और कुर्मी का त्रिवेणी संघ बना था, जिसने 1937 के चुनाव में कई इलाकों में कांग्रेस को हरा दिया था। हालांकि कांग्रेस के मजबूत संगठन, आजादी की लड़ाई के बड़े लक्ष्य और अगड़ी जातियों की ओर से हुए अति हिंसक प्रतिरोध की वजह से त्रिवेणी संघ आगे नहीं चल सका। उसके बाद अब पहली बार जातियां गिनी गई हैं और चुनाव हो रहा है। इस चुनाव में जातियों का नया ध्रुवीकरण तो दिख ही रहा है साथ ही आबादी के हिसाब से छोटी से छोटी जाति भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए बड़ी जातियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती दिख रही है।

पटना में गुरुवार, 23 अक्टूबर को अशोक गहलोत द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करने के साथ ही मल्लाह जाति से आने वाले मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करना इसी राजनीति का नमूना है। राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने 'सन ऑफ मल्लाह' के नाम से अपनी ब्रांडिंग करने वाले मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार बना कर अत्यंत पिछड़ी जातियों को मैसेज दिया है कि महागठबंधन के साथ उनको सत्ता में हिस्सेदारी मिलेगी। अति पिछड़ी जाति के प्रतिनिधि चेहरे के तौर पर मुकेश सहनी के अलावा आईपी गुप्ता का चेहरा भी सामने लाया गया है। महागठबंधन ने उनको सहरसा की सीट दी है। वे तांती समाज से आते हैं। उन्होंने तांती, तंतवा को एक व्यापक पान समाज के रूप में पहचान दिलाने का आंदोलन छेड़ा है।

करीब 25 लाख की आबादी वाले इस समाज के लोगों ने आईपी गुप्ता की अपील पर पटना का गांधी मैदान भर दिया था। यह शुरुआत है। आने वाले दिनों में ऐसी जातियों की संख्या बढ़ेगी, जिनके नेता सामने आकर जाति को पहचान दिलाने का आंदोलन शुरू करेंगे। बिहार में जाति गणना के मुताबिक 36 फीसदी आबादी अति पिछड़ी जातियों की है, जिसमें 26 फीसदी हिंदू अति पिछड़ी जातियां हैं। इस 26 फीसदी आबादी में कुल 80 जातियां आती हैं, जिनमें से सिर्फ तीन जातियां ऐसी हैं, जिनकी आबादी दो फीसदी से ज्यादा है। लेकिन इन दो फीसदी वाली जातियों के साथ साथ बाकी जातियां भी अपने प्रतिनिधत्व के लिए लड़ रही हैं। देश के कई राज्यों में जातियों का राजनीतिक सशक्तिकरण पहले हो चुका है और उनकी लड़ाई सेटल हो चुकी है। लेकिन बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अब जाकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की जंग शुरू हुई है। आने वाले दिनों में हर जाति की पार्टी बनेगी। उसके नेता राजनीतिक सत्ता में हिस्सेदारी मांगेंगे।

बहरहाल, टिकटों की घोषणा से पहले राहुल गांधी ने पटना जाकर अति पिछड़ा समुदाय के सशक्तिकरण का एक घोषणापत्र जारी किया था। चुनाव के लिए गठबंधन का घोषणापत्र बाद में जारी होगा लेकिन ईबीसी का घोषणापत्र स्वंय राहुल गांधी ने जारी किया था। सो, एक समुदाय के रूप में अति पिछड़ा को साधने का प्रयास चल रहा है। यह प्रयास दोनों तरफ से हो रहा है। 2020 के चुनाव के बाद जब सरकार बनी तब भाजपा ने नोनिया समाज से आने वाली अति पिछड़ी जाति की रेणु देवी को उप मुख्यमंत्री बनाया था। भाजपा की ओर से लगातार इस बात का प्रचार किया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अति पिछड़ी जाति से आते हैं। चूंकि यह समुदाय एक समरूप समाज नहीं है इसलिए इनका कोई सर्वमान्य नेता नहीं है तो नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार को इसका लाभ मिलता रहा है। अब लालू यादव परिवार और कांग्रेस की ओर से भी इस समूह पर दांव खेला जा रहा है।

इसके अलावा अति पिछड़ी जातियों को भी हर जाति की आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने का काम हो रहा है। यह भी नीतीश कुमार की कराई जाति गणना का नतीजा है कि हर जाति अपने लिए विधानसभा चुनाव में टिकट मांग रही है और पार्टियों की मजबूरी हो गई है कि वे टिकट बंटवारे में विविधता लाएं। लगभग सभी पार्टियों ने टिकट बंटवारा करने के बाद जो सूची जारी की उसमें उम्मीदवारों की जाति बताई। उप जातियों का भी जिक्र किया। नीतीश कुमार की पार्टी ने अपनी सूची में अपने आधार वोट यानी कोईरी, कुर्मी और धानुक को सबसे ज्यादा सीटें दीं और उसके बाद पार्टी ने अत्यंत पिछड़ी जातियों में से जिस जाति को जितनी सीटें दीं उसका जिक्र अलग से किया। कहा जा सकता है कि सामाजिक स्तर पर एकजुट रहे जातीय समूहों को राजनीतिक लाभ हानि के लिए अलग अलग समूहों में विभाजित किया जा रहा है। इसकी वजह से आने वाले दिनों में जाति आधारित पार्टियों का विस्फोट होना है। अभी बिहार में यादव, कोईरी, कुर्मी, तांती, पासवान, मांझी आदि की पार्टी बन गई है। आने वाले समय में और भी जातियों की पार्टियां बनेंगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

खास खबर

बिना हेलमेट पेट्रोल देने पर दो पंपों की सप्लाई स्थगित

दुर्ग। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' अभियान के तहत आज खाद्य विभाग की जांच टीम द्वारा रिसाली क्षेत्र स्थित महामाया फ्यूल्स तथा रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड, पुलगांव नाका पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों पंपों पर बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल प्रदान किया जा रहा था। इस पर जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोनों पंपों में आगामी आदेश तक पेट्रोल वितरण स्थगित कर दिया गया है।

वैशाली नगर विधानसभा के लिए 23.99 लाख स्वीकृत

दुर्ग। वैशाली नगर विधानसभा के 08 निर्माण कार्यों के लिए 23 लाख 99 हजार 973 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक रिकेश सेन द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा किया जाएगा। वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्र. 07 राधिका नगर में गणेश मंदिर के पीछे सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु 05 लाख और वार्ड क्र. 12 रानी अवंती बाई कोहका में शिक्षक नगर बाल उद्यान के पास सार्वजनिक डोम शेड निर्माण कार्य के लिए 2 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। वार्ड क्र. 20 न्यू वैशालीनगर, वैशालीनगर थाने के पास, बाबा दीप सिंह नगर बंटी जलाराम घर के पास, शिवाय कॉलोनी कुरूद में तथा ग्राम कुरूद गोकुल नगर में सड़क का मुरूमीकरण (डब्ल्यूएमएम) कार्य हेतु 3-3 लाख रूपए तथा वार्ड क्र. 20 न्यू वैशालीनगर काली बाड़ी के पास सड़क के मुरूमीकरण हेतु 1 लाख 99 हजार 973 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

पटेल जयंती पर यूनिटी मार्च (पद यात्रा) कल

दुर्ग। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 31 अक्टूबर 2025 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर यूनिटी मार्च (पद यात्रा) का आयोजन किया जाएगा। उक्त अवसर पर जिला मुख्यालय दुर्ग में 31 अक्टूबर को प्रातः 8.00 बजे यूनिटी मार्च (पद यात्रा) कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। यूनिटी मार्च सरदार वल्लभभाई पटेल चौक से प्रारंभ होकर, गांधी चौक, उतई ऑटो स्टैण्ड, गौरव पथ, सुराना कॉलेज, शीतला मार्केट होते हुए जेल तिराहा से विवेकानंद सभागार में समापन एवं अतिथियों का उद्बोधन कार्यक्रम किया जाएगा।

एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन का कल अंतिम दिन

दुर्ग। किसानों के एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु 31 अक्टूबर तक अंतिम तिथि है। इस वर्ष धान बेचने के लिए किसानों को 31 अक्टूबर 2025 तक एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराना अनिवार्य है। जिसके लिए विगत कई महीनों से समितियों में च्वाईस सेंटर के द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन का कार्य चल रहा है। जिला दुर्ग के अंतर्गत नवीन पंजीयन हेतु 1618 किसान शेष है तथा 3009 किसान ऐसे है जिनकी व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है। कल इसकी अंतिम तिथि है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत घर-घर सत्यापन 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टरों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, नगर निगम आयुक्तों तथा सहायक प्रोग्रामरों की बैठक लेकर निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कुमार ने एसआईआर की प्रक्रिया, उसके विभिन्न चरणों तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिकाओं की जानकारी देते हुए निर्देश दिए कि सभी बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम, पते एवं विवरण का सत्यापन करें।

छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ को वर्ष 2025 की मतदाता सूची की तुलना वर्ष 2003 की एसआईआर सूची से करने के निर्देश दिए, ताकि त्रुटियां न हो। उन्होंने कहा कि बीएलओ नए मतदाताओं के फॉर्म 6 एवं घोषणा पत्र एकत्र करें और मृत या स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान करें। कुमार ने बताया कि गणना चरण के दौरान गणना फॉर्म के साथ किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। ईआरओ/एईआरओ को

यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से न छूटे और कोई भी अपात्र व्यक्ति उसमें शामिल न हो। सीईओ यशवंत कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी दी- मुद्रण/प्रशिक्षण कार्य 28 अक्टूबर 2025 से 03 नवम्बर 2025 तक, घर घर गणना चरण अवधि (घर-घर जाकर सत्यापन) कार्य 04 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक, मतदान केन्द्रों का युक्तिकरण/पुनर्व्यवस्थापन 4 दिसम्बर 2025 तक, नियंत्रण तालिका का अद्यतन और ड्राफ्ट रोल की तैयारी 5 दिसम्बर 2025 से 8 दिसम्बर 2025 तक, मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 09 दिसम्बर 2025, दावे और आपत्ति की अवधि 09 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक, नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन) 09 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026, मतदाता सूची के स्वास्थ्य मापदंडों की जांच करना तथा अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति प्राप्त करना 3 फरवरी 2026 और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। सीईओ श्री कुमार ने अधिकारियों से कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध रूप से पूरी की जाए ताकि आगामी निर्वाचन में सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह उपस्थित थे।

प्रथम छमाही में सेल का मजबूत परिचालन/बेहतर वित्तीय प्रदर्शन

स्टील उत्पादन 95 लाख टन, बिक्री में 16.7 फीसद की वृद्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (30 सितंबर, 2025 को समाप्त) के लिए अपने मज़बूत वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने इस अवधि में उत्कृष्ट परिचालन के साथ-साथ बेहतर लाभप्रदता का प्रदर्शन किया है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र से अग्रेषित जानकारी के अनुसार इस दौरान क्रूड स्टील का उत्पादन 95 लाख टन बना रहा। वहीं उपभोक्ताओं तक बेहतर पहुँच के कारण बिक्री में 16.7 फीसद की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई.

मूल्य निर्धारण के चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद, विक्रय मात्रा की बढ़ोत्तरी ने प्रचालन से कारोबार को 52,600 करोड़ के पार पहुँचाया।

परिचालन दक्षता और लागत अनुकूलन के परिणामस्वरूप, टैक्स चुकाने के बाद लाभ में लगभग 32 फीसद की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

कंपनी का कुल ऋण घटकर 26,427 करोड़ हो गया, जो मार्च 2023 के स्तर तक पहुँचने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने इस अवसर पर कहा, वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही का यह प्रदर्शन, परिचालन (ऑपरेशनल) और वित्तीय, दोनों ही पैमानों पर सेल की उत्कृष्टता की निरंतरता को पुष्ट करता है। हमने लगातार उत्पादन सुनिश्चित करने हेतु अपनी उच्च क्षमता का उपयोग सफलतापूर्वक बनाए रखा है। वैश्विक इस्पात बाजारों में व्याप्त उतार-चढ़ाव के बावजूद, हमारे अडिग इस्पाती संकल्प और सामूहिक प्रयासों के बल पर, हमने विक्रय मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। इसके अतिरिक्त, कंपनी द्वारा दक्षता सुधार (एफिशिएंसी) और लागत युक्तिकरण (कॉस्ट रेशनलाइजेशन) की दिशा में किए गए ठोस प्रयासों ने इस मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को हासिल करने में निर्णायक भूमिका निभाई है।

भारत के निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, सेल इस महत्वपूर्ण परिवर्तन में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, कंपनी स्थायी लाभप्रदता सुनिश्चित करने हेतु अपने परिकल्पित विस्तार की योजना को उत्पाद विविधीकरण, ग्राहक-केंद्रित रणनीतियों, डिजिटलीकरण और निरंतर प्रयासों जैसे पूरक स्तंभों पर आधारित कर रही है।

बघेरा देवांगन समाज ने सौंपा 3.5 लाख का चेक

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग प्रत्येक बुधवार राजस्व वसूली अभियान चला रहा है। अभियान के दौरान बघेरा स्थित माँ परमेश्वरी देवांगन समाज ने 3,54,000 का चेक जमा कर जागरूक नागरिक एवं जागरूक समाज होने का परिचय दिया।

बुधवार को आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्वयं इस अभियान में शामिल होकर क्षेत्र भ्रमण किया और राजस्व विभाग के अमले के साथ कई करदाताओं के यहाँ पहुँचकर बकाया वसूली की स्थिति का निरीक्षण किया।

अभियान के दौरान बघेरा स्थित माँ परमेश्वरी देवांगन समाज ने उल्लेखनीय पहल करते हुए नगर निगम को 3,54,000 का चेक सौंपा। यह राशि जनकल्याण समिति बघेरा के माध्यम से वार्ड क्रमांक 56 स्थित भवन का संपत्तिकर, यूज़र चार्ज एवं अन्य शुल्क के रूप में निगम को सौंपी गई। चेक को निगम कार्यालय में आयुक्त सुमित अग्रवाल के समक्ष जमा किया गया। इस अवसर पर आयुक्त ने करदाता की सराहना करते हुए कहा कि नगर के विकास कार्यों के लिए राजस्व की नियमित वसूली आवश्यक है। नागरिक यदि समय पर कर भुगतान करें, तो सड़क, सफाई, प्रकाश और जल व्यवस्था जैसे कार्यों में और तेजी लाई जा सकती है।

आयुक्त ने राजस्व विभाग की टीम की भी प्रशंसा की और कहा कि हर बुधवार आयोजित होने वाला यह अभियान निगम प्रशासन की प्राथमिकताओं में है। आने वाले हफ्तों में विभिन्न वार्डों में जाकर राजस्व वसूली की जाएगी ताकि सभी करदाता समय पर अपना योगदान दे सकें।

सेक्टर-7 सीनियर सेकंडरी में सतर्कता जागरूकता

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2025 तक मनाए जा रहे 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025' के अंतर्गत सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-07 में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी एवं अंग्रेज़ी द्विभाषीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

महाप्रबंधक (सतर्कता) दीप्ति राज ने स्वागत भाषण दिया। उप महाप्रबंधक (सतर्कता) अंशुमन सिंह ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।

भिलाई के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेकर विषय पर प्रभावशाली वक्तव्य

प्रस्तुत किया और भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं निष्पक्षता जैसे नैतिक मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

सहायक प्रबंधक (शिक्षा) नमिता सुनील देशपांडे ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं नियमों की जानकारी प्रदान की, जबकि उप महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री अंशुमन सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

यह उल्लेखनीय है कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के एक प्रमुख साधन के रूप में प्रतिवर्ष अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक मनाया जाता है। इस अवधि में देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती भी मनाई जाती है, जिनका जीवन सत्यनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का प्रतीक रहा है।

खालसा कॉलेज में युवा विमर्श : स्वामी विवेकानंद की शिक्षा आज भी प्रासंगिक

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रकोष्ठ एवं विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, भिलाई-दुर्ग शाखा के संयुक्त तत्वावधान में 21वीं सदी के युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद का संदेश विषय पर युवा विमर्श का आयोजन खालसा महाविद्यालय में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी के हनुमंत राव रहे। अध्यक्षता हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय कुमार तिवारी ने की। मुख्य वक्ता श्री हनुमंत राव ने कहा कि समाज सेवा के लिए त्याग आवश्यक है और त्याग की भावना राष्ट्रप्रेम से उत्पन्न होती है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय चेतना को जागृत कर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ।

कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं 19 वीं सदी में दी गई उनकी शिक्षा आज के युवाओं के लिए सबसे ज्यादा प्रेरणाप्रद है। हमें उनके पदचिन्हों पर चलते हुए देश के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए।

संयोजक तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार युवाओं को चरित्र, परिश्रम और देशभक्ति का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने विवेकानंद के संदेश को विद्यार्थियों के लिए दोहराया कि उठो जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो।

झूलती टहनियां, कंडम गाड़ियां सड़क से हटाई जाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम के आयुक्त सुमित अग्रवाल ने निगम क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। वाय शेप ब्रिज बटालियन से मालवीय नगर चौक, राजेंद्र पार्क चौक से होते हुए बस स्टैंड परिसर तक चले इस भ्रमण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सड़क पर लटक आई पेड़ों की शाखों के साथ ही सड़क किनारे पड़े कंडम वाहनों और अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान आयुक्त के साथ स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभियंता पंकज साहू, विकास दमाहे, उमयन्ती ठाकुर, कर्मशाला अधीक्षक, शोएब अहमद, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार, बाजार प्रभारी अभुदय मिश्रा, शशिकांत यादव, ईश्वर वर्मा, स्टोनो गौतम साहू, वार्ड उप अभियंता, सफाई दरोगा, सुपरवाइजर तथा संबंधित स्टाफ उपस्थित रहे।

आयुक्त ने सड़कों के दोनों ओर फैले

अतिक्रमण और अनुपयोगी (कंडम) वाहनों को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन अतिक्रमणों और परित्यक्त वाहनों के कारण शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था दोनों प्रभावित होते हैं। ऐसे में निगम टीम सक्रिय होकर इन्हें हटाने की कार्यवाही करें।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने देखा कि कई स्थानों पर पेड़ों की डंगले सड़कों तक फैली हुई हैं, जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि सड़कों के किनारे लगे पेड़ों की समुचित छटाई कराई जाए, ताकि मार्ग साफ-सुथरा और सुरक्षित रहे।

आयुक्त अग्रवाल ने बस स्टैंड परिसर का निरीक्षण कर वहां की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने बस संचालकों से चर्चा करते हुए बसों को व्यवस्थित तरीके से खड़ा करने, परिसर में बसों की धुलाई नहीं करने तथा कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने की सख्त समझाइश दी। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्य चौराहों व डिवाइडरों की सफाई के विशेष निर्देश

आयुक्त ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं डिवाइडरों की नियमित सफाई का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए डिवाइडरों की धूल सफाई, सड़कों की झाड़ू मशीन से सफाई और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आम नागरिकों तथा दुकानदारों से भी शहर की स्वच्छता को बनाए रखकर सहयोग करने की अपील की।

विकास कार्य हेतु 14.98 लाख की स्वीकृति

दुर्ग। जनपद पंचायत दुर्ग तथा नगर पंचायत पाटन में विकास कार्यों के लिए 14.98 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

सांसद विजय बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रमशः क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दुर्ग जिला दुर्ग तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत पाटन जिला दुर्ग द्वारा किया जाएगा।

जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत चंदखुरी केनाल पारा दुर्ग कॉमन वर्क शेड, कव्हर्ड सिटिंग एरिया तथा डोम शेड निर्माण हेतु 7 लाख एवं नगर पंचायत पाटन अंतर्गत इंदिरा नगर वार्ड 02 बठेना रोड के पास सामुदायिक केन्द्र, कम्युनिटी हॉल भवन निर्माण में 07 लाख 98 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

खास खबर...

कोंडागांव में खुला हेलमेट बैंक, आसान होगा सफर

रायपुर। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और विधायक लता उसेंडी और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के साझा प्रयासों से कोंडागांव जिले में जिला प्रशासन द्वारा 'जिंदगी का सफर सुरक्षित रखें, हेलमेट जरूर पहने' की थीम पर 'हेलमेट बैंक' की शुरूआत की गई है। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना ने नागरिकों से अपील की कि वे हेलमेट को अपनी आदतों में शामिल करें। इस पहल के तहत प्रथम चरण में नेशनल हाईवे 30 में स्थित ऐसे पांच ग्राम पंचायत चयन किया गया है, जहाँ विगत कुछ सालों में सब से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। चयनित ग्राम पंचायत में हेलमेट रखा जायेगा। अगर किसी व्यक्ति के पास हेलमेट नहीं है तो ग्राम पंचायत से हेलमेट लेकर वो यात्रा कर सकेंगे। उसके बाद उसे वापस ग्राम पंचायत में जमा करेगा ताकी बाकी लोग भी इसका प्रयोग कर सकें।

हाथी शावक की डूबने से मौत : बचाने की कोशिश करते रहे हाथी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक हाथी शावक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। करीब 20 हाथियों का झुंड नहाने के लिए तालाब में पहुंचा था। इसी दौरान यह हादसा हो गया। छाल रेंज के बनहर सर्किल क्षेत्र में करीब 40 से 50 हाथियों का दल अलग-अलग झुंड में विचरण करता है। देर रात को 20 हाथियों का झुंड सरईमुड़ा तालाब में नहाने के लिए पहुंचा। इस दौरान 7 महीने का नन्हा शावक गहराई में चले जाने से पानी में डूब गया। बाकी हाथियों ने उसे अपनी सूंड से बाहर निकालने की कोशिश भी की, लेकिन सफल नहीं हो सके। कुछ देर बाद झुंड वहां से चला गया।

यूनिवर्सिटी को फिर बढ़ानी पड़ी नामांकन की तिथि

रायगढ़। शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ द्वारा सत्र 2025-26 के स्नातक, स्नातकोत्तर (प्रथम सेमेस्टर) और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के नियमित विद्यार्थियों पंजीयन व नामांकन करने एक और मौका मिला है। नामांकन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि में एक बार फिर वृद्धि की है। विद्यार्थी 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन नामांकन फॉर्म भर सकेंगे। एनईपी सिस्टम लागू होने के बाद से कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का रुझान कम हो गया है। इसलिए एडमिशन नहीं ले रहे हैं। फर्स्ट सेमेस्टर व डिप्लोमा कोर्स के लिए एडमिशन की तिथि पहले 23 अक्टूबर तक निर्धारित थी, लेकिन विद्यार्थियों के आवेदन नहीं करने के कारण कॉलेजों में सीटें खाली रह गईं।

बस्तर में 3 महीने से नहीं मिला चना, 1.91 लाख परिवार प्रभावित

जगदलपुर। अंत्योदय एवं प्राथमिकता वाले परिवारों को मिलने वाला मुफ्त चना वितरण पिछले तीन माह से नहीं मिल पाने के कारण उपभोक्ताओं में जबरदस्त नाराजगी देखने को मिल रही है। पात्र उपभोक्ताओं का कहना है कि चना वितरण में लगातार देरी की जा रही है। बस्तर जिले में इस योजना से कुल 1 लाख 91 हजार 394 परिवार शामिल हैं। जिसमें 1,45,113 बीपीएल कार्डधारी परिवार और 46281 अनत्योदय कार्डधारी परिवार हैं। जिन्हें प्रति माह करीब 382 टन से अधिक चना वितरण किया जाता है। राज्य शासन द्वारा जनवरी 2013 से अंत्योदय एवं प्राथमिकता श्रेणी के परिवारों को 5 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से प्रति माह 2 किलोग्राम चना उपलब्ध कराया जा रहा है। यह योजना गरीब परिवारों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी, लेकिन वितरण व्यवस्था में आई रुकावटों से लाभार्थियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गैस उपभोक्ताओं का भी बायोमेट्रिक्स

राजधानी के सभी गैस कंपनियों के उपभोक्ताओं को गैस वितरक के पास जाकर करानी होगी प्रक्रिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में किसानों को धान खरीदी के पश्चात बैंक के खातों एवं राशन कार्ड धारकों को केवाईसी कराने से अभी फुर्सत नहीं मिली अब घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए भी बायोमेट्रिक्स आधार प्रमाणीकरण अभियान शुरू होने जा रहा है। ज्ञात रहे केवाईसी को लेकर इस समय आम नागरिक तथा किसान परेशान हो गये है।

भारत देश में इंडियन आईल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम तथा भारत गैस प्रमुख घरेलू एलपीजी उत्पादन करते है तथा इसे आम उपभोक्ताओं को प्रदान करते हैं। आज आधुनिक युग में एलपीजी सबसे अहम भूमिका निभा रहा है। इसके चलते अब प्रत्येक घर में गैस होना अनिवार्य हो गया है। रायपुर में अब इन तीनों कंपनियों के लाखों उपभोक्ता है इन्हें अब केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। जिसके चलते अब घरेलू गैस उपभोक्ताओं को अपने अपने डीलर के यहां चक्कर काटना होगा। राजधानी रायपुर सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में किसान धान खरीदी के लिए एग्रीटेक पोर्टल के लिए चक्कर काट रहे हैं। वहीं राशन कार्डों

के केवाईसी से आम उपभोक्ता परेशान हो गये है। सभी राष्ट्रीकृत सहकारी बैंक के खाता धारकों को इस महीने केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है अन्यथा धान का पैसा नहीं मिलेगा।

बायोमेट्रिक्स आधार पर होगा केवाईसी

राजधानी में इस समय स्वबायोमेट्रिक आधार पर प्रमाणीकरण का काम करवाया जाएगा। बीपीसीएल एचपीसीएल, आईओसीएल यह गैस की प्रमुख तेल विपणन कंपनियां है जो की घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की आपूर्ति करती है। कंपनी के द्वारा जारी सूचना के अनुसार यूआई डीएआई का आधार फेस आरडीएफ डाउन लोड करने के लिए क्यूआर कोड स्केन करे। इसके अलावा उपभोक्ताओं को एलपीजी वितरण करने से संपर्क करना होगा। बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण ईकेवाईसी पूरा करे। इसमें पीएम यूवाईई लाभार्थियों को शामिल किया गया है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के एक बार पूरा होने पर इसे पूरा करना होगा। 14.2 किलो सिलेंडर के आंठवें एवं नौवें रिफिल पर डीवीटी सब्सिडी 300 रुपये प्रति सिलेंडर का लाभ उठाना चाहते है तो यह कार्रवाई आवश्यक है। यदि लच्छित रिफिल आठवें से नौवीं बार किया गया तो 31 मार्च के पहले बायोमेट्रिक्स प्रमाणीकरण पूरा हो जाएगा। यदि उपभोक्ताओं ने बायोमेटिक प्रमाणीकरण पूरा नहीं किया तो 31 मार्च तक सब्सिडी का लाभ नहीं मिलेगा। कंपनी के द्वारा जारी निर्देशानुसार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत एलपीजी के वितरण एवं डिलीवरी कर्मचारी उपभोक्ताओं से संपर्क करेंगे। इसके लिए टोल फ्री नंबर 1800 2333555 से संपर्क कर सकते हैं।

फल, सब्जी, डेयरी उत्पाद को करें ई-वे बिल से मुक्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छ.ग. इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, छ.ग. इकाई के अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरेन्द्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ शासन के जीएसटी आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा से मुलाकात कर ई-वे बिल नियमों में आवश्यक एवं व्यावहारिक सुधारों की माँग को लेकर पत्र सौंपा।

श्री पारवानी ने बताया कि ज्ञापन में ईज ऑफ डुइंग बिजनेस की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों की ओर से दो प्रमुख माँगें रखी गईं है।

एक ही जिले के भीतर माल परिवहन पर ई-वे बिल से पूर्ण छूट दी जाए।

आवश्यक वस्तुएँ जैसे पुस्तकें, नोटबुक, शैक्षणिक सामग्री, ताजा फल-सब्जियाँ, डेयरी उत्पाद, खाद्य सामग्री, चिकित्सा उपकरण, कृषि निवेश व उपकरण आदि पर राज्य में परिवहन पर ई-वे बिल से पूर्ण छूट दिया जाएँ।

श्री पारवानी ने कहा कि इन प्रस्तावित सुधारों से राज्य में व्यापार और अधिक सहज एवं सरल होगा। इससे विशेषकर छोटे और मध्यम व्यापारियों को राहत मिलेगी तथा कर अनुपालन और राजस्व संग्रह दोनों सुचारू रहेंगे। यह कदम राज्य सरकार और व्यापार समुदाय दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

जीएसटी आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने कैट द्वारा प्रस्तुत पत्र का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया और सकारात्मक विचार एवं सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जीएसटी के अनेक अधिकारी भी उपस्थित थे।

गाड़ागोड़ा में हाथियों का उत्पात बिखेर दी धान की खड़ी फसल

ग्रामीणों ने लगाई जान-माल की सुरक्षा की गुहार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कटघोरा वनमंडल में हाथियों का उत्पात और भी बढ़ता जा रहा है। यहां के पसान रेंज अंतर्गत जल्के सर्किल के सेमरहा बीट में पहुंचे 42 हाथियों के दल ने बीती रात गाड़ागोड़ा गांव में भारी उत्पात मचाते हुए बड़ी मात्रा में ग्रामीणों की धान की फसल को रौंद दिया जिससे ग्रामीणों गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों द्वारा जिला प्रशासन एवं वन विभाग से अपने फसल तथा जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई गई है।

विशेष

कटघोरा वनमंडल बना हाथियों का बसेरा

ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों का दल बार-बार क्षेत्र में दस्तक दे रहा है और फसलों को उत्पात मचाने के साथ मटियामेट भी कर दे रहा है जिससे वे काफी परेशान हैं। हाथियों के उत्पात के चलते उनकी मेहनतों पर पानी फिर जा रहा है जिससे श्रम के साथ-साथ आर्थिक क्षति भी हो रही है। ज्ञात रहे कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज से 42 हाथियों का दल एक दिन पूर्व जल्के सर्किल पहुंचा है। पहले दिन हाथियों का दल सर्किल के हरदेवा गांव में डेरा डाला लेकिन कोई भी नुकसान नहीं पहुंचाया। अगले दिन शाम होते ही मूव्हमेंट किया और गाड़ागोड़ा में उत्पात मचाते हुए बड़ी मात्रा में ग्रामीणों की फसल को रौंद दिया जिससे यहां के 17 ग्रामीण प्रभावित हुए हैं। जिन्हें हजारों रुपए की क्षति सहनी पड़ी है। पीडित ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आज सुबह मौके पर पहुंचे और हाथियों द्वारा रात में किए गए नुकसानी का आंकलन करने के साथ रिपोर्ट तैयार की जिसे क्षतिपूर्ति स्वीकृति के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेषित किया जाएगा।

मुआवजा स्वीकृति के बाद पीडितों को वन विभाग की ओर से राहत राशि दी जाएगी। गाड़ागोड़ा में बड़ी मात्रा में फसल रौंदने के बाद हाथियों का दल सेमरहा व गाड़ागोड़ा गांव के बीच स्थित जंगल में विश्राम करने लगा है। आज सुबह हाथियों के दल को यहां पर देखा गया। वन विभाग द्वारा गाड़ागोड़ा, सेमरहा व आसपास के गांव में मुनादी कराई जा रही है। ज्ञात रहे हाथियों ने कटघोरा वनमंडल को अपना स्थाई बसेरा बना लिया है। हाथियों का दल कभी यहां के केंदई रेंज में विचरण करता है तो कभी पसान रेंज में। बीच-बीच में एतमानगर व जटगा भी पहुंच जाता है।

पोलियोग्रस्त महिला की सिम्स में सफल सर्जरी

बिलासपुर। बिलासपुर संभाग के सबसे बड़े सिम्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों ने रीढ़ की विकृति और दोनों पैरों में पोलियो से ग्रस्त एक महिला की सफल सर्जरी की है। यह सर्जरी काफी जटिल और जोखिमपूर्ण थी, जिसके कारण निजी अस्पतालों ने इलाज करने से इनकार कर दिया था। महिला के गर्भाशय से लगभग 16 सप्ताह के गर्भ के आकार का एक बड़ा ट्यूमर निकाला गया। यह ऑपरेशन आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क किया गया।

सिम्स प्रबंधन के अनुसार, पीड़ित महिला को चलने-फिरने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। वह पिछले कई महीनों से पेट में तेज और असहनीय दर्द से जूझ रही थी। जांच के दौरान, मरीज के गर्भाशय में एक बड़ी गांठ (ट्यूमर) का पता चला। मरीज की स्थिति पूरी तरह स्थिर है और वह तेजी से ठीक हो रही हैं। इस सर्जरी का नेतृत्व प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता रमन जोगी ने किया। उनकी टीम में डॉ. दीपिका सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रचना जैन और पीजी रेजिडेंट डॉ. दीक्षा चंद्राकर शामिल थीं।

बारिश से धान कटाई फंसी, खेतों में भरा पानी, नहीं उतर पा रहे हार्वेस्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। समुद्री तूफान मोन्था के कारण इस समय छत्तीसगढ़ में बेमौसम वर्षा हो रही है। खेतों में पानी भरने के कारण किसान धान की कटाई नहीं कर पा रहे हैं, जिसके कारण किसान चिंतित हैं, आज भी राजधानी में हल्की वर्षा हुई तथा उमश के कारण लोग बेचैन रहे। समुद्री तूफान मोन्थ समुद्र से टकराने के बाद ओडिशा के गंजाम जिले में पहुंच गया है। तेज हवा चलने के कारण यहा पर जनजीवन प्रभावि हो रहा है।

कृषि विभाग के अनुसार धान कटाई का काम दीपावली पश्चात शुरू हो गया है, लेकिन खेत में पानी भर गया है, जिसके कारण हार्वेस्टर से धान की कटाई नहीं हो पा रही है। किसान धान की कटाई परंपरागत ढंग से नहीं कर पा रहे है। काफी मजदूरी मांगने के कारण किसान परेशान हैं।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक से मिली जानकारी के अनुसार एक प्रबल चक्रवात पश्चिम मध्य बंगाल

की खाड़ी में स्थित है तथा यह 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है । इसके लगातार उत्तर उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश तट पर मछलीपट्टनम और कालिंगपटनम के बीच काकनाड़ा के पास आज शाम को अथवा रात्रि में तट को पार करने की संभावना है। तट पार करते समय चक्रवात के हवा की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे तथा बीच-बीच में 110 किलोमीटर प्रति घंटे की चलने की सम्भावना है। प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़े। प्रदेश में एक दो स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की भी संभावना है। इस मौसमी तंत्र के प्रभाव से हवा की गति 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की चल सकती है। वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है। वर्षा का क्षेत्र धीरे धीरे मध्य और उत्तर छत्तीसगढ की ओर केंद्रित रहने की सम्भावना है। वर्षा की गतिविधि 31 अक्टूबर तक लगातार जारी रहने की सम्भावना है।

राज्य पैरा स्विमिंग में कबीरधाम के 14 पदक

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने किया सम्मानित, की जज्बे और हुनर की तारीफ

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। कबीरधाम जिले के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 14 पदक (7 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य) जीतकर जिले का नाम पूरे राज्य में रोशन किया है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने आज जिला कार्यालय में इन 6 विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर बधाई दी।

यह प्रतियोगिता बिलासपुर जिले में आयोजित की गई थी, जिसमें राज्य के 17 जिलों के पैरा तैराकों ने भाग लिया। कबीरधाम के खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से न केवल सभी का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि अपने संघर्ष, आत्मविश्वास और खेल भावना से यह सिद्ध कर दिया कि इच्छाशक्ति के सामने कोई बाधा बड़ी नहीं होती।

कलेक्टर वर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिले के इन युवा खिलाड़ियों ने अपने परिश्रम और संकल्प से यह साबित किया है कि प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांग

खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा ताकि वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकें। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन जिले के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने खेल विभाग और संबंधित प्रशिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्रशासन आगे भी ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध कराता रहेगा। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक अभिलाषा पंडा उपतस्थित थे।

कबीरधाम जिले के विजेता खिलाड़ियों का प्रदर्शन इस प्रकार रहा

सुखनंदन - 50 मीटर बटरफ्लाई, 100 मीटर बैक स्ट्रोक और 50 मीटर बैक स्ट्रोक स्पर्धाओं में 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीते। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ तैराक की श्रेणी में सम्मानित किया गया।

यशपाल धुर्वे - 50 मीटर फ्री स्टाइल और 50 मीटर बैक स्ट्रोक में 2 स्वर्ण पदक हासिल किए। यशपाल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच और परिवार को दिया।

खिलेश्वर पटेल - 100 मीटर फ्री स्टाइल में स्वर्ण, 50 मीटर फ्री स्टाइल में रजत और 50 मीटर बैक स्ट्रोक में कांस्य पदक जीतकर कुल 3 पदक अपने नाम किए।

कन्हैया खांडे (एस-6 वर्ग) - 50 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण, 50 मीटर बैक स्ट्रोक और 50 मीटर फ्री स्टाइल में रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

चंद्रपाल मानिकपुरी (एस-7 वर्ग) - 50 मीटर बैक स्ट्रोक और 50 मीटर फ्री स्टाइल दोनों में कांस्य पदक जीतकर जिले की झोली में दो और पदक जोड़े।

अनिल चंद्रवंशी (एस-40 वर्ग) - 50 मीटर फ्री स्टाइल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता।

दलालों के चंगुल से छुड़ाए गए 18 मजदूर कर्नाटक से लौटे

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। ज्यादा मजदूरी और अच्छे काम का लालच देकर जिले के दो ग्राम पंचायतों — कड़ेनार से 11 और घुमरा से 7 कुल 18 ग्रामीणों को एक दलाल सीनू श्रीनिवास अगस्त माह में तेलंगाना राज्य ले गया था। ग्रामीणों को यह व्यक्ति मजदूरी दिलाने के बहाने बाहर लेकर गया, लेकिन बाद में उनके साथ धोखाधड़ी की गई।

श्रमिक मनोज ताती ने बताया कि पहले इन मजदूरों को तेलंगाना के करीमनगर में काम कराया गया, फिर दलाल द्वारा महाराष्ट्र के नांदेड़ भेज दिया गया। इसके बाद वही दलाल सीनू श्रीनिवास ने सभी मजदूरों को कर्नाटक राज्य के जिला बागलकोट अंतर्गत बिगड़ी गांव जानमट्टी में एक साहूकार के यहां ?5 लाख में काम पर लगा दिया। लेकिन मजदूरों को मेहनताना नहीं दिया गया और दलाल फरार हो गया। मजदूर छत्तीसगढ़ लौटना चाहते थे, पर साहूकार उन्हें छोड़ नहीं रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक बीजापुर द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए एक संयुक्त रेस्क्यू टीम गठित की गई।

इस टीम में श्रम निरीक्षक लोकेंद्र वैष्णव, राजस्व निरीक्षक यशवंत राव और सहायक उप पुलिस निरीक्षक बलदेव कुड़ियाम शामिल थे, जिन्हें तत्काल जिला बागलकोट, कर्नाटक रवाना किया गया। स्थानीय प्रशासन की मदद से टीम ने सभी 18 श्रमिकों को सकुशल छुड़ाया और ?1,36,100 की बकाया मजदूरी राशि भी दिलवाई।

ओरछा में नियद नेल्लानार समाधान शिविर, समस्याओं का होगा निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। जनपद पंचायत ओरछा में नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत स्थापित कैम्पों के चयनित ग्रामों के हितग्राहियों के लिए नवीन राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इन शिविरों में स्वास्थ्य, पशुपालन, मत्स्य, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, आदिम जाति कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, चिप्स सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। अधिकारीगण

स्थल पर ही ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करेंगे।

गुरुवार को ग्राम गारपा, होरादी, मसपुर, तुमेरादी हेतु ग्राम पंचायत गारपा में, 03 नवम्बर (सोमवार) को ग्राम ईरकभट्टी, कानागांव, जड्डा, कच्चापाल, मुसेर, तोके, कोंदोड हेतु ग्राम पंचायत कच्चापाल में, 05 नवम्बर (बुधवार) को ग्राम कस्तुरमेटा, हिकपाड़, ओकपाड़, दुमनार, निरामेटा, कटुलनार, नेलनार, ईदनार, कलमानार हेतु ग्राम पंचायत कस्तुरमेटा में, 07 नवम्बर (शुक्रवार) को ग्राम मोहंदी, कोडलियर, कुतुल, गट्टाकाल, कोड़नार, आलबेड़ा, धुरखेड़ा एवं कोड़तामरका हेतु ग्राम पंचायत भवन कुतुल में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

निर्धारित तिथियों में सभी विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने आवश्यक अभिलेखों एवं मैदानी अमले सहित उपस्थित रहेंगे, ताकि ग्रामीणजनों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जा सके तथा किसी प्रकार का असंतोष उत्पन्न न हो।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

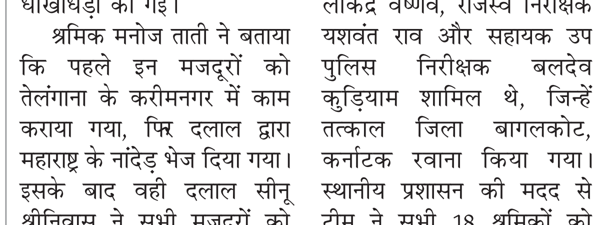

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

एनरिक इग्लेसियस के कॉन्सर्ट में क्रेजी हुए फैंस मलाइका से विद्या तक कई सितारे भी हुए शामिल

बुधवार की शाम मुंबई में ग्लोबल पॉप स्टार एनरिक इग्लेसियस का कॉन्सर्ट काफी शानदार रहा। यहां मुंबई ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के इलाकों से भी म्यूजिक के दीवाने पहुंचे। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक कॉन्सर्ट में करीब 25000 फैंस का जुटान हुआ। एनरिक ने अपनी परफॉर्मेंस के दौरान 'हीरो' और 'बैलामोस' जैसे अपने क्लासिक हिट्स से हजारों फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया।

50 वर्षीय एनरिक ने मुंबई के कमर्शियल हब, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के एमएमआरडीए ग्राउंड में परफॉर्मेंस दी, जो कि करीब 90 मिनट तक चली। अपनी म्यूजिक से एनरिक ने फैंस को दीवाना बना दिया। बता दें कि एनरिक की यह भारत में तीसरी विजिट है। वे पहली बार साल 2000 में आए थे। फिर दूसरी बार 2012 में आए।

सेलेब्स ने की शिरकत

एनरिक के कॉन्सर्ट में सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड सितारों की भी भीड़ उमड़ी। मलाइका अरोड़ा से लेकर रकुल प्रीत- जैकी भगनानी, विद्या बालन, रुबीना दिलैक-अभिनव शुक्ला, गुरमीत-देबिना बनर्जी और राहुल वैद्य सहित कई स्टार्स नजर आए।

सिंगर एनरिक भी भारत आकर खुश हैं

एनरिक की भारत में अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। उनके गानों को यहां काफी पसंद किया जाता है। वह भी भारत आकर खुश हैं। भारत आने के बाद एनरिक ने फर्स्टपोस्ट से बात करते हुए कहा, 'भारत में दर्शक अद्भुत हैं। उनमें म्यूजिक के लिए प्यार है। जब मैं भारत में स्टेज पर आता हूं, तो दर्शक कमाल के होते हैं। उनकी एनर्जी का लेवल बेहतरीन होता है।'

नमस्ते मुंबई कहकर किया अभिवादन

एनरिक बीती रात करीब साढ़े आठ बजे अपने बैंड मेंबर्स के साथ स्टेज पर आए। वह ऑल-ब्लैक कपड़ों और अपनी सिग्नेचर कैप में बहुत कूल लग रहे थे। उन्होंने 'सुबेमे ला रेडियो', 'फ्रीक', 'चेंजिंग द सन', 'बी विद यू', 'हार्टबीट', 'कुआंडो मे एनामोरो' और कई दूसरे गानों के साथ कॉन्सर्ट शुरू किया। एनरिक ने नमस्ते मुंबई कहकर अभिवादन किया। भारत के अलग-अलग हिस्सों से कॉन्सर्ट में आए फैंस से एनरिक ने कहा, 'थैंक यू... बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं पहली बार 2004 में यहां आया था।

मलाइका और रकुल ने एंज्वॉय किया कॉन्सर्ट

मलाइका अरोड़ा को म्यूजिक कॉन्सर्ट को काफी एंज्वॉय करते हुए देखा गया। रकुल प्रीत अपने पति जैक भगनानी के साथ कॉन्सर्ट में पहुंची थीं। यह कपल भी कॉन्सर्ट में काफी मस्ती के मूड में दिखा। रकुल ने अपने इंस्टाग्राम पर भी एनरिक के कॉन्सर्ट की तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस सोनल चौहान को भी एनरिक के म्यूजिक कॉन्सर्ट में देखा गया। कैमरा देखकर उन्होंने कई पोज दिए। वह कॉन्सर्ट में शामिल होकर काफी खुश दिख रही थीं।

द ताज स्टोरी' की रिलीज पर उठे विवाद पर परेश रावल ने बोले- '22000 लोगों के हाथ काट दिए

परेश रावल इन दिनों सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी आगामी फिल्म 'द ताज स्टोरी', जिसके रिलीज को लेकर विवाद चल रहा है। अभिनेता ने इस फिल्म को लेकर अपनी राय रखी है। साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म कई अनकही कहानियों को जनता के सामने लाने का काम कर रही है। चलिए जानते हैं कि एक्टर ने क्या प्रतिक्रिया दी।

अभिनेता परेश रावल ने एएनआई से बात की। उन्होंने कहा, यह फिल्म वास्तुकला और फिर ताज के परिवर्तन के बारे में है, जिसे किसी ऐसे व्यक्ति से उधार लिया गया था जिसने किसी और का महल उधार लिया था। इसमें लगा समय, कुछ धारणाएं और कुछ गलतफहमियां, जिनके कारण लगभग 22,000 लोगों के हाथ काट दिए गए। ये सब सामने आ गए हैं। सच्चाई सामने आ गई है।

विवाद पर क्या बोले अभिनेता?

आगे अभिनेता ने फिल्म को लेकर चल रहे विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। ३उन्होंने कहा, 'सामाजिक ताने-बाने, लोगों की मानसिकता और भारत जैसे देश को भारी नुकसान पहुंचाती है, जहां अक्सर नाजुक स्थितियां देखने को मिलती हैं।' इसके आगे उन्होंने कहा, कुछ विषय ऐसे होते हैं जो विवाद पैदा करते हैं।

कई किताबों में उल्लेख

यह एक ऐतिहासिक घटना है और 16वीं शताब्दी से शुरू होकर कई किताबों में इसका उल्लेख किया गया है। जब ताजमहल का निर्माण हो रहा था, तो किसी ने वहां की यात्रा की और अपना विवरण लिखा। समय के साथ, चीजों के अर्थ बदल जाते हैं। हम दर्शकों के लिए एक स्वस्थ बहस लेकर आ रहे हैं।

फिल्म के बारे में

यह फिल्म 31 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। तुषार अमरीश गोयल द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सुरेश झा ने प्रोड्यूस किया है। इसमें परेश रावल के अलावा जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर आदि हैं।

रजनीकांत ने फ्लाइट की इकोनॉमी क्लास में किया सफर, सुपरस्टार को अपने बीच पाकर हैरान हुए फैंस

सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जेलर 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्टर फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच एक्टर का एक वीडियो वायरल है, जिसमें वो फ्लाइट के इकोनॉमी क्लास में लोगों के बीच नजर आए। रजनीकांत को अपने बीच पाकर लोग काफी उत्साहित यहो गए। इसके बाद सुपरस्टार ने फैंस का अभिवादन स्वीकार किया।

वायरल वीडियो में रजनीकांत फ्लाइट के इकोनॉमी क्लास में बैठकर गोवा जा रहे हैं। वीडियो में रजनीकांत एक विमान में आगे की ओर बैठे दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही कई यात्री अपने फोन निकालकर उनका उत्साह बढ़ाते हैं, वह खड़े होकर प्रशंसकों की ओर हाथ हिलाते हैं और फिर वापस बैठ जाते हैं। विमान के कर्मचारी भी मुस्कुराते हुए दिखाई देते हैं, जबकि कुछ प्रशंसक उनके लिए तालियां भी बजाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि रजनीकांत बिजनेस क्लास की बजाय, जैसा कि उम्मीद की जा रही थी, इकॉनमी क्लास की सीट पर बैठे थे।

'जेलर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं रजनीकांत

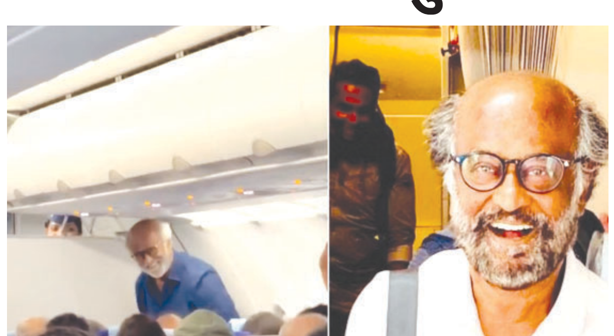

रजनीकांत 'जेलर 2' की शूटिंग के अगले शेड्यूल के लिए गोवा पहुंचे हैं। रजनीकांत का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत इस साल लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित फिल्म 'कुली' में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और फैंस को भी पसंद आई थी। हालांकि, क्रिटिक्स ने फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया ही दी थी। अब वो 'जेलर 2' की शूटिंग कर रहे हैं। यह साल 2023 में इसी नाम से आई फिल्म का सीक्वल है। 'जेलर' में रजनीकांत ने 'टाइगर' मुथुवेल पांडियन की भूमिका निभाई थी। राम्या कृष्णन भी फिल्म में अपनी भूमिका दोहराएंगी, जबकि शिवा राजकुमार ने पुष्टि की है कि वह एक छोटी सी भूमिका में वापसी कर रहे हैं।

कांतारा चैप्टर 1' एक्टर ऋषभ ने अपनी डायरेक्शन टीम का किया धन्यवाद, पोस्ट शेयर कर लिखा इमोशनल नोट

साउथ एक्टर ऋषभ शेट्टी ने अपनी फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' के टीम मेंबर्स का शुक्रिया अदा करते हुए सोशल मीडिया हैंडल पर कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही ऋषभ ने बताया की 'कांतारा चैप्टर 1' की शूटिंग के दौरान उनकी पूरी टीम ने कितनी चुनौतियों का सामना किया है।

ऋषभ ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की पूरी टीम के साथ तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही ऋषभ ने अपनी पूरी टीम का धन्यवाद करते हुए कैप्शन में लिखा, 'मेरी निर्देशन टीम को ढेर सारा प्यार। हर फ्रेम और भावना बिल्कुल सही है, आप सभी का शुक्रिया। मुश्किल शेड्यूल, लंबी शूटिंग और अचानक मौसम बदलने जैसी चुनौतियों के बावजूद आपकी मेहनत और टीमवर्क ने सब संभव किया।' उन्होंने आगे लिखा, 'इस सफर पर मुझे गर्व है। मेरे साथ खड़े रहने और शुभकामनाएं देने वालों का धन्यवाद।'

ऋषभ का हालिया पोस्ट

इससे पहले ऋषभ ने बताया था कि फिल्म बनाने का असली मजा फैसले लेने में है। उन्होंने सेट की तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'शॉट्स देने का रोमांच ही फिल्म का असली मजा है। 'इसके अलावा ऋषभ ने यह भी बताया कि क्लाइमेक्स की शूटिंग सूजे पैर और थके शरीर के साथ की थी। पैरों की तस्वीर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'क्लाइमेक्स शूट के दौरान पैर सूज गए थे, शरीर थका था... लेकिन आज लाखों लोग इसे पसंद कर रहे हैं। यह उस दिव्य शक्ति का आशीर्वाद है। सभी का दिल से शुक्रिया।'

फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' के बारे में

इस फिल्म में ऋषभ के साथ जयराम, रुक्मिणी वसंत और गुलशन देवैया भी हैं। यह 2022 की 'कांतारा' का प्रीक्वल है, जो परंपरा और पूर्वजों के संघर्ष की कहानी दिखाता है। यह फिल्म 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में ताबातोड़ कमाई कर रही है।

दीपिका की 8 घंटे शिफ्ट डिमांड पर रश्मिका मंदाना बोलीं: वर्किंग ऑवर्स पर बहस नहीं, समझ जरूरी है, टीम सहमति से कार्य के घंटे

हाल ही में संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में प्रभास के अपोजिट दीपिका पादुकोण की कास्टिंग को लेकर बड़ा विवाद हुआ था। दीपिका ने अपनी फीस बढ़ाने और 8 घंटे की शिफ्ट डिमांड करने की वजह से फिल्म से बाहर कर दी गईं। इस पूरे मामले पर अब दक्षिण भारतीय और बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपना रिएक्शन दिया है।

रश्मिका मंदाना ने एक इंटरव्यू में कहा कि आज पूरी दुनिया में फ्लेक्सिबल काम करने के तरीके पर बातचीत हो रही है। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रोजेक्ट को साइन करने से पहले इस तरह के मुद्दों पर सभी बातें साफ हो जानी चाहिए। रश्मिका ने कहा, यह टीम के बीच बात होनी चाहिए कि काम के घंटे कैसे सेट होंगे और यह भी तय होना चाहिए कि यह व्यक्तिगत पसंद की बात है।

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्रीज से लेकर बॉलीवुड तक के वर्किंग आवर्स पर रश्मिका ने खुलकर चर्चा की। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके लिए 9 से 6 बजे तक का शेड्यूल हो या 9 से 9 तक, दोनों ठीक हैं। यह केवल फिल्म की आवश्यकताओं पर निर्भर करता है। रश्मिका ने बताया कि उन्होंने तेलुगु, कन्नड़, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम किया है जहां वक्त-समय की डिमांड भिन्न होती है, लेकिन उनका फोकस हमेशा उस समय पर काम पूरा करने पर ही रहता है।

रश्मिका का कहना है कि काम के घंटों का बहस करने की बजाय जरूरी यह है कि जो समय दिया गया है, उस समय आप पूरी तरह मौजूद और सक्रिय रहें। यह पूरा मामला व्यावहारिक समझ और टीम के बीच सहमति का विषय है। रश्मिका मंदाना के इस बयान से स्पष्ट होता है कि वे दीपिका पादुकोण के 8 घंटे की शिफ्ट वाले विवाद पर पक्षपातरहित और व्यावहारिक दृष्टिकोण रखती हैं, जो इंडस्ट्री के बदलते माहौल को समझने वाला है। यह बयान वर्किंग कंडीशंस पर चर्चा को और बढ़ावा देगा और कलाकारों के लिए बेहतर काम के घंटे तय करने में मददगार साबित हो सकता है।

कल्कि 2898 एडी' के ओटीटी क्रेडिट्स से दीपिका नाम हटा

दीपिका पादुकोण का नाम फिल्म 'कल्कि 2898 एड' के एंड क्रेडिट्स से हटा दिया गया है, जो एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जारी है। इस बात पर उनके फैंस में नाराजगी फैल गई है क्योंकि उनका नाम हटाना उनके काम का सम्मान न करने जैसा है। फिल्म के निर्माताओं ने सितंबर 2025 में आधिकारिक रूप से बताया था कि दीपिका 'कल्कि' के सीक्वल का हिस्सा नहीं रहेंगी। इसके बाद यह खबर आई कि ओटीटी रिलीज के बाद भी उनका नाम एंड क्रेडिट्स से हटाया गया है। फैंस का कहना है कि क्रेडिट्स केवल नाम नहीं, बल्कि सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक होते हैं और दीपिका ने फिल्म में एक अहम भूमिका निभाई है, इसलिए उनके नाम को हटाना अनुचित है। हालांकि नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो पर अभी भी फिल्म के कुछ संस्करणों में उनका नाम दिख रहा है, जिसके कारण यह विवाद गड़बड़ी या जानबूझकर नाम हटाने का मामला हो सकता है। यह मुद्दा सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहा और निर्माताओं की काफी आलोचना हुई।

पिज्जा तो खा लिया पर क्या कभी पिज्जा बम ट्राई किया क्या? ऐसे करें तैयार

अगर आप बार-बार एक ही तरह का पिज्जा खाकर बोर हो चुके हैं, तो अब वक्त है कुछ नया और धमाकेदार ट्राई करने का। आज हम लेकर आए हैं 'पिज्जा बम' की रेसिपी, जो स्वाद में पिज्जा से भी ज्यादा मजेदार है। इसका नाम ही बताता है कि इसमें फ्लेवर और चीज का धमाका छिपा है। ये बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट व चीजी होते हैं।

पिज्जा बम बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएंगे और इसे आप पार्टी, लंच या ईवनिंग स्नैक्स में आसानी से बना सकते हैं। बस कुछ सिंपल इंग्रीडिएंट्स जैसे पिज्जा सॉस, चीज, सब्जियां और मैदा से यह डिश मिनटों में तैयार हो जाती है। आइए जानते हैं इस यम्मी पिज्जा बम को बनाने की आसान रेसिपी और परफेक्ट टिप्स।

इसके लिए हमें मैदा, यीस्ट, नमक, चीनी, तेल, पिज़्ज़ा सॉस, चीज़, शिमला मिर्च, प्याज, स्वीट कॉर्न, ऑरेगानो- चिली फ्लैक्स चाहिए।

पिज्जा बम बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले आपको इसका आटा तैयार करना है। इसके लिए एक बड़े से कटोरे में सबसे पहले मैदा, यीस्ट, नमक और चीनी मिलाकर सॉफ्ट आटा गूंथ लें। जब ये सही से गुंथ जाए तो इसे कम से कम 1 घंटे के लिए ढककर रख दें ताकि ये फूल जाए। इसे इस दौरान बिल्कुल छेड़ें नहीं।

जब तक ये सही से सेट हो रहा है, तब तक सभी सब्जियों को बारीक काटकर एक कटोरे में मिक्स करें। इसमें हल्का सा नमक, पिज्जा सॉस और चीज मिक्स करें। इसके साथ-साथ ऑरेगानो- चिली फ्लैक्स भी इसी समय इसमें मिक्स कर दें।

अब तैयार डो से छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर फैलाएं। इसमें हल्की सी पिज्जा सॉस लगाएं और सभी सब्जियों की स्टफिंग रखें। ऊपर से थोड़ा सा चीज और डालकर इसे गोलाकार शेप में बंद कर दें।

शेप देने के बाद इसे ऊपर हल्का सा बटर लगाएं और फिर ओवन में बेक करें। बस तैयार है क्रिस्पी और चीजी और क्रिस्पी पिज्जा बम। इसे गरमागरम ही सर्व करें, ताकि चीज का स्वाद और भी अच्छी तरह से आए।

प्रधानमंत्री के रायपुर प्रवास के दौरान सुगम होगा नागरिकों के लिए यातायात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 01 नवम्बर को नवा रायपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान नागरिकों और व्हीआईपी अतिथियों के सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए यातायात पुलिस रायपुर ने विशेष यातायात व्यवस्था की है। नवा रायपुर में आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित होने वाले व्हीआईपी एवं नागरिकों के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन तथा वाहनों की पार्किंग के लिए मार्ग व पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है। राज्योत्सव स्थल पहुंचने वालों की सुविधानुसार पहुंच मार्गों को 06 रूट में विभाजित किया गया है तथा प्रत्येक रूट में पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है जो निम्नानुसार है-

रूट-01 के तहत रायपुर शहर, धरसींवा, तिल्दा, खरोरा, बलौदाबाजार, बिलासपुर, बेमेतरा, मुंगेली से आने वाले नागरिकों के वाहनों के लिए राज्योत्सव पहुंच मार्ग निर्धारित है। रिंग रोड 03 टर्निंग-राजू ढाबा के सामने-सेरीखेड़ी ब्रिज-एयरपोर्ट टर्निंग-स्टेडियम टर्निंग-रेलवे स्टेशन रोड-कयाबांधा अंडरब्रिज के पास-सीबीडी स्टेशन रोड-रैक बैंक मोड़-सेक्टर-22 टर्निंग-सेक्टर-22 पार्किंग स्थल पी-15 में अपना वाहन पार्क कर राज्योत्सव स्थल पैदल जा सकेंगे।

रूट-02 में आरंग, खरोरा, महासमुंद, बलौदाबाजार की ओर से आने वाले वाहनों के लिए राज्योत्सव पहुंच मार्ग निर्धारित है। आरंग-लखौली-नवागांव रेल्वे क्रासिंग-क्रिकेट स्टेडियम-सेंध तालाब-सत्यसांई अस्पताल के सामने चौक-मंदिर हसौद मार्ग तिराहा-स्टेडियम टर्निंग-चंदूलाल चंद्राकर चौक-सेक्टर 22 टर्निंग-सेक्टर 22 पार्किंग स्थल पी-15 में अपना वाहन पार्क कर राज्योत्सव स्थल पैदल जा सकेंगे।

रूट-03 में अभनपुर, धमतरी, बालोद, दुर्ग की ओर केवल बस से आने वाले वाहनों के लिए राज्योत्सव पहुंच मार्ग निर्धारित है। मोनफोर्ड स्कूल से दांया मोड़-हिदायतुल्ला लॉ-यूनिवर्सिटी के सामने-ट्रिपल आईटी चौक-उपरवारा चौक-मुक्तांगन तिराहा होकर मुक्तांगन पार्किंग स्थल पी-12, मुक्तांगन रेलवे स्टेशन पार्किंग स्थल पी-13 एवं गोल्फ मैदान पार्किंग स्थल पी-14 में अपना वाहन पार्क कर राज्योत्सव स्थल पैदल जा सकेंगे।

रूट-04 में अभनपुर, धमतरी, बालोद, दुर्ग की ओर से आने वाले कार/चारपहिया वाहनों के लिए राज्योत्सव पहुंच मार्ग निर्धारित है। अभनपुर-ग्राम बकतरा-ग्राम केन्द्री-बेन्द्री मोड़-मिंटू पब्लिक स्कूल-निमोरा प्रशासनिक अकादमी के सामने से ग्राम निमोरा के पास पार्किंग स्थल पी-11 में अपना वाहन पार्क कर राज्योत्सव स्थल पैदल जा सकेंगे।

इसी तरह रूट-05 में रायपुर शहर, धरसींवा, दुर्ग, बालोद, खैरागढ़, राजनांदगांव की ओर आने वाले वाहनों के लिए राज्योत्सव स्थल तक पहुँच मार्ग निर्धारित है। पचपेड़ीनाका-बोरियाकला-माना बस्ती-तूता होकर तूता मैदान पार्किंग स्थल पी-08, तूता इंडियन तड़का ढाबा के पास पार्किंग स्थल पी-09 एवं निमोरा बस्ती मार्ग दालमिल के पीछे पार्किंग स्थल पी-10 में अपना वाहन पार्क कर राज्योत्सव स्थल पैदल जा सकेंगे।

रूट-06 में गोबरा नवापारा, राजिम, गरियाबंद की ओर से आने वाले बस एवं चारपहिया वाहनों के लिए राज्योत्सव पहुंच मार्ग निर्धारित किया गया है। जिसके तहत राजिम-गोबरा नवापारा-नवागांव-खण्डवा-जंगल सफारी-ट्रिपल आईटी (भामाशाह चौक)- मुक्तांगन तिराहा होकर पार्किंग स्थल पी-12, मुक्तांगन रेलवे स्टेशन पार्किंग स्थल पी-13 एवं गोल्फ मैदान पार्किंग स्थल पी-14 में अपना वाहन पार्क कर राज्योत्सव स्थल पैदल जा सकेंगे।

दोपहिया वाहनों की पार्किंग राज्योत्सव स्थल के सामने धरना स्थल के दोनों तरफ स्थित पार्किंग स्थल पी-05, पी-06 एवं पी-07 में होगी। उल्लेखनीय है कि नवा रायपुर क्षेत्र के समस्त मार्गों में एक नवम्बर को मध्यम एवं भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश एवं आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नवा रायपुर क्षेत्र में भवन निर्माण एवं अन्य कार्य में लगे समस्त मालवाहक वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। व्हीव्हीआईपी रूट में कारकेड के आवागमन के समय सुरक्षा के दृष्टिकोण से 30 मिनट पूर्व समस्त प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया जाएगा।

इसी तरह नवा रायपुर राज्योत्सव स्थल एवं अन्य सभी कार्यक्रम आयोजन स्थल में प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। नागरिक अपने साथ शराब, सूखा नशीला पदार्थ, लाईटर, माचिस, पटाखा आदि ज्वलनशील पदार्थ, अन्य विस्फोटक पदार्थ, लाठी-डंडे, चाकू, तलवार एवं आग्नेय हथियार, बैनर-पोस्टर, ध्वनि विस्तारक यंत्र, लैपटॉप, इलेक्ट्रानिक गैजेट इत्यादि सामग्री नहीं ले जा सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का माना विमानतल में न्यू-टर्मिनल से आवागमन होगा, इसलिए हवाई यात्रियों को न्यू टर्मिनल पर आवागमन में असुविधा हो सकती है। समय व सुरक्षा का ध्यान रखते हुए पुराने टर्मिनल से आवागमन कर सकते हैं, पुराने टर्मिनल का मार्ग खुला रहेगा। यातायात विभाग ने व्हीव्हीआईपी कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले एवं राज्योत्सव मेला जाने वाले नागरिकों से अपील की है ।

आदि आरोग्य रथ - जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई की अभिनव स्वास्थ्य पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति सशक्त बनाने एवं स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आदि आरोग्य रथ वाहन सेवा का शुभारंभ विगत दिवस किया गया। इस अभिनव पहल का शुभारंभ खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी (जिला शाखा) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खम्मन ताम्रकार तथा उपाध्यक्ष श्री विक्रांत सिंह ने आदि आरोग्य रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सभापति गण, जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल ने बताया कि पीएम जनमन क्षेत्र के वनवासी समुदायों एवं जिले के नागरिकों को स्वास्थ्य रूप से सशक्त बनाने की दिशा में यह एक विशेष पहल है। इस सेवा से जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जा सकेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा ने बताया कि आदि आरोग्य रथ वाहन सेवा के तहत सप्ताह में तीन दिवस सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को दूरस्थ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से रेफर मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श एवं जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

यह सेवा शासकीय मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव, जिला अस्पताल राजनांदगांव तथा अन्य शासकीय अस्पतालों हेतु निर्धारित रूट पर नियमित रूप से संचालित होगी, जिससे रेफर मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

श्रीरामलला दर्शन योजनाः श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के लिए किया गया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार द्वारा छत्तीसगढ़वासियों को अयोध्या धाम का दर्शन कराने के लिए श्रीरामलला दर्शन योजना का संचालन किया जा रहा है। श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत मुंगेली जिले के 64 तीर्थयात्री अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन करेंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय ने तीर्थ यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में इन सभी तीर्थयात्रियों को दो बसों के माध्यम से बिलासपुर रेल्वे स्टेशन तक भेजा गया। वहां से सभी स्पेशल ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम के लिए रवाना होंगे।

इस अवसर पर तीर्थयात्रियों का पुष्पाहार से स्वागत कर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर जनपद सदस्य पवन पांडेय, रघुराज सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि राजा घृतलहरे, सन्नी भार्गव, लोकनाथ सिंह एवं जिला व जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इस योजना के तहत तीर्थयात्रियों को अयोध्या में रामलला का दर्शन कराया जाता है। सभी तीर्थयात्रियों को रास्ते में खाने-पीने, अयोध्या में ठहरने और दर्शन के बाद वापस घर तक निःशुल्क पहुंचाया जाता है।

कोरिया जिले में 17 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का आशियाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरिया जिले के पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ तेजी से दिया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अब 17 हजार 142 परिवारों को पक्का और सुरक्षित आशियाना मिल चुका है। पक्के मकान मिलने से ग्रामीण परिवार अब छांव और सुरक्षा के साथ सुकून भरा जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

कोरिया जिले को अब तक इस योजना के तहत 29 हजार 509 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ, जिनमें से 26 हजार 832 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। आवास निर्माण हेतु प्रत्येक हितग्राही को 1.20 से 1.30 लाख रुपये की सहायता राशि सीधे डी.बी.टी. के माध्यम से प्रदान की जा रही है। आज की स्थिति तक करीब 243 करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं।

आवास निर्माण में 95/90 दिवस का मजदूरी भुगतान मनरेगा के तहत किया जाता है। इस मद में अब तक 30 करोड़ रुपये डी.बी.टी. के माध्यम से मजदूरों को भुगतान किए गए, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हुआ।

कोरिया जिले में अब तक पूर्ण किए गए 17 हजार 142 आवासों के निर्माण में लगभग 17 करोड़ ईंट, 17 लाख बोरी सीमेंट, 2 लाख ट्रॉली रेत, 1.5 लाख ट्रॉली गिट्टी और 1 करोड़ किलोग्राम सरिया का उपयोग किया गया। इस सामग्री की बिक्री एवं ढुलाई के माध्यम से ग्रामीण उद्यमियों, मजदूरों और निर्माण कार्यों से जुड़े लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई और जीवन स्तर सुधरा।

जिले में कुल 880 प्रशिक्षार्थियों को 45 दिवस का राजमिस्त्री प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इससे न केवल कौशल विकास हुआ, बल्कि प्रशिक्षित श्रमिकों की आय में भी महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। कोरिया जिला पहाड़ी एवं सघन वनों से घिरा क्षेत्र है, जहाँ अधिक वर्षा, अधिक ठंड और वन्य पशुओं का खतरा भी बना होता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले पक्के घरों से 17 हजार 142 परिवार अब प्राकृतिक विपदाओं से सुरक्षित हैं और अपने परिवार के साथ खुशहाल, गरिमापूर्ण और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

श्रद्धा और उल्लास से भरी स्पेशल ट्रेन से 850 श्रद्धालु हुए अयोध्या धाम के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन बुधवार को भक्ति और उल्लास का केंद्र बन गया जब छत्तीसगढ़ के बिलासपुर संभाग के सभी जिलों से जुटे 850 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। लंबे अरसे बाद धार्मिक आस्था से भरी इस विशेष यात्रा ने स्टेशन परिसर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया।

अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई इस विशेष ट्रेन को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने श्रद्धालुओं का पुष्प-वर्षा से स्वागत किया और उनके मंगलमय यात्रा की कामना की। अनेक यात्री भावविभोर होकर हाथ जोड़कर जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयकारे लगाए।

इस यात्रा के दौरान यात्रियों को भगवान श्रीरामलला के अयोध्या धाम दर्शन के साथ-साथ वाराणसी में काशी विश्वनाथ जी के दर्शन का भी सुअवसर मिलेगा। श्रद्धालुओं में इस अनोखी यात्रा को लेकर गहरी उत्सुकता और श्रद्धा झलक रही थी। कई बुजुर्ग यात्रियों ने कहा कि यह उनके जीवन की अविस्मरणीय आध्यात्मिक यात्रा होगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड और आईआरसीटीसी की ओर से भोजन, पेयजल, चिकित्सा, आरामदायक यात्रा और सुरक्षा की संपूर्ण व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन और रेलवे अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित किया कि हर यात्री को सुविधा और सम्मान मिले।

ट्रेन प्रस्थान के समय स्टेशन पर विदाई जैसा भावुक दृश्य देखने को मिला। ढोल-नगाड़ों की थाप, नारों की गूंज और भक्ति संगीत के बीच ट्रेन धीरे-धीरे आगे बढ़ी तो यात्रियों के चेहरे पर आनंद और भक्ति की झलक साफदिखाई दी।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने बताया कि यह यात्रा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और श्रद्धालुओं को जीवनभर की आध्यात्मिक अनुभूति देने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष बिलासपुर राजेश सूर्यवंशी, महापौर पूजा विधानी, जनप्रतिनिधि, आईआरसीटीसी, टूरिज्म बोर्ड एवं रेलवे के कर्मचारी उपस्थिति थे।

श्री रामलला एवं काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जांजगीर जिले से श्रद्धालुओं का दल रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में भगवान श्री रामलला तथा भगवान काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन कराने हेतु संचालित श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के अंतर्गत आज जांजगीर चांपा जिले से श्रद्धालुओं का दल रवाना हुआ। इस योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को निःशुल्क यात्रा, दर्शन, आवास, भोजन और सुरक्षा की संपूर्ण व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजनांतर्गत आज खोखरा से जिले के कुल 187 श्रद्धालुओं को लेकर बस अयोध्या धाम दर्शन यात्रा के लिए रवाना हुई। यह बस जिले के श्रद्धालुओं को बिलासपुर रेलवे स्टेशन तक ले जाएगी, जहाँ से विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किया जाएगा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष जांजगीर-नैला श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, जिला पंचायत सदस्य आशा साव, नगर पालिका जांजगीर-नैला उपाध्यक्ष मोहन यादव, पार्षदगण सहित जनप्रतिधियों ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी जनप्रतिनिधियों ने श्री रामलला दर्शन योजना की सराहना की एवं यात्रियों को तिलक लगाकर एवं फूलमाला पहनाकर शुभकामनाओं सहित रवाना किया। इस अवसर पर उप संचालक पंचायत श्री अभिमन्यु साहू सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने किया राशन दुकानों का औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 29 अक्टूबर 2025 को संदीप शर्मा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग द्वारा आयोग के दल सहित रेड क्रॉस सोसाइटी भवन कलेक्टर परिसर में पीडीएस मध्यान भोजन योजना और पूरक पोषण आहार योजना तथा ट्राइबल विभाग द्वारा संचालित आश्रम छात्रावासों हेतु खाद्यान पर आधारित योजनाओं की समीक्षा संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ की गई।

समीक्षा बैठक में जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में प्रत्येक माह निर्धारित समय पर राशन सामग्री के भंडारण एव वितरण के निर्देश दिए गए । सभी दुकानों में विभागीय कॉल सेंटर नंबर खाद्यान्न के सैंपल प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए गए । शासकीय विद्यालयों में विभाग द्वारा निर्धारित पात्रता अनुसार माध्यन भोजन प्रदाय करने एव शिकायत / सुझाव हेतु विभागीय कॉल सेंटर नंबर प्रदर्शित करने की निर्देश दिए गए ।

बैठक के पूर्व आयोग के दल द्वारा जिले में संचालित चार उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण किया गया जिसमे एक दुकान ठा प्यारे लाल वार्ड आईडी नम्बर 441001332 बंद पाई गई, आसपास के लोगो ने बताया कि दुकान खुलती ही नही, एक अन्य दुकान जिसका आईडी 441001143 वार्ड 39 माँ कंकालिन महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालित में भी 228 क्विंटल चाँवल कम मिला निरीक्षण में उचीत मूल्य दुकान सेरीखेड़ी, में संचालित दुकान जिसका आईडी 442001044 में चावल के स्टॉक में 950 क्विंटल की कमी पाये जाने पर एवं जोरा की दुकान आइडी 442001026 में 250 हितग्राहियों से पॉस मशीन में अंगूठा लगा कर राशन कार्ड रख लिया गया था दुकान में लगभाग 80 क्विंटल स्टॉक कमी पाई गई दुकान संचालको के विरुद्ध तत्काल नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए । उचित मूल्य दुकान सेरीखेड़ी में माह ऑक्टूबर का खाद्यान लगभग 150 हितग्राहियो को किया जाना शेष पाया गया, जिन्हें तत्काल खाद्य प्रदाय के निर्देश अध्यक्ष राज्य खाद्य आयोग द्वारा दिया गया।

आगनबाड़ी जोरा में निरीक्षण के दौरान कुल दर्ज 23 बच्चों में से कोई भी उपस्थित नहीं पाया गया। केंद्र के स्टोर में पुराना चावल, अंकुरित आलू भंडारित पाया गया, और कुछ गंदे पुराने बर्तन पाये गए । आयोग द्वारा केंद्र में समुचित साफ़सफाई और पात्रता अनुसार बच्चों को पूरक पोषण प्रदाय करने के निर्देश दिए गए । शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सरीखेड़ी में निरीक्षण के दौरान छात्र के लिए निर्धारित डाइट अनुसार दाल की निर्धारित मात्रा से 50 प्रतिशत एवं सब्जी की निर्धारित मात्रा पके हुए भोजन में नहीं पायी गई। निरीक्षण के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों द्वारा भोजन में दाल एवं सब्जी की गुणवत्ता अच्छी नहीं जाने की शिकायत की गई जिसके तत्काल निराकरण के निर्देश आयोग के अध्यक्ष द्वारा दिए गए ।

आयोग द्वारा पंडित रवि शंकर शुक्ल परिसर में स्थित शासकीय पोस्ट मैट्रिक छात्रावास का निरीक्षण किया गया तथा छात्रावास में निवासरत 400 छात्राओ को पीडीएस के ज़रिए बीपीएल दर पर चावल प्रदाय योजना के अंतर्गत प्रतिमाह पात्रता अनुसार फोर्टीफाइड चावल प्रदाय के निर्देश दिए गए ।

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक एव निरीक्षण के दौरान खाद्य आयोग सदस्य ज्योति कश्यप, राजेंद्र महिलाग, सदस्य सचिव राजीव जायसवाल, खाद्य अधिकारी अभिषेक मिश्रा, सहायक संचालक आदिम जाती कल्याण विभाग श्वेता कश्यप, सहायक संचालक मिंज, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास यशपाल पटेल, खाद्य विभाग से डॉ सूरज दुबे उपस्थित रहे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेनेक्स एवं ग्रहलन उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रिहायशी क्षेत्र में शराब भट्टी खोलने के विरोध में कांग्रेस के छाया पार्षद जी. श्रीनिवास ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर क्षेत्र में प्रस्तावित विदेशी मदिरा दुकान (शराब भट्टी) खोलने के विरोध में आज कांग्रेस के छाया पार्षद जी. श्रीनिवास ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि रिहायशी क्षेत्र में शराब दुकान खोले जाने की अनुमति को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए, क्योंकि यह निर्णय स्थानीय जनता की भावनाओं और सामाजिक परिवेश के पूर्णत: विपरीत है। देवेंद्र नगर रायपुर का एक प्रमुख रिहायशी और शिक्षित क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में परिवार, छात्र, बुजुर्ग और महिलाएं निवास करती हैं। इस इलाके में कई स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, पार्क और धार्मिक स्थल मौजूद हैं। ऐसे में शराब दुकान खोलने के निर्णय ने स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी पैदा कर दी है। श्रीनिवास बोले – रिहायशी माहौल में शराब दुकान अस्वीकार्य ज्ञापन सौंपते समय कांग्रेस के छाया पार्षद जी. श्रीनिवास ने कहा 'देवेंद्र नगर एक शांत, शिक्षित और सभ्य बस्ती है। यहाँ विदेशी मदिरा दुकान खोले जाने का फैसला न केवल जनभावनाओं के खिलाफ है बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक माहौल को भी दूषित करेगा। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से यह बेहद चिंताजनक कदम है।' उन्होंने कहा कि यदि जिला प्रशासन और शासन इस निर्णय को वापस नहीं लेता है तो स्थानीय लोग और कांग्रेस कार्यकर्ता चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। इस आंदोलन में हस्ताक्षर अभियान, धरना प्रदर्शन और शांतिपूर्ण विरोध रैली जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे। श्रीनिवास ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज़ बनकर खड़ी है और रिहायशी इलाकों में किसी भी तरह की शराब दुकान को किसी भी सूरत में नहीं खुलने देगी। उन्होंने जिला प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा, 'यदि शासन ने समय रहते इस प्रस्ताव को वापस नहीं लिया, तो हम जनहित में सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे।'

पार्षद पति की गुंडागर्दी, किशोर को बेरहमी पीटा

कोरबा। कोरबा शहर के दादर बस्ती में वार्ड नंबर 34 के पार्षद पति पर एक छात्र की पिटाई का आरोप लगा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि विकास चौहान ने उनके घर के 14 साल के बेटे को बेरहमी से पीटा है। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है। शिकायत पर पुलिस ने स्न्ढ्ढक्र दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है छात्र अपनी स्कूटी से कही जा रहा था तभी विकास चौहान और उसके साथियों ने उसे टक्कर मारी। फ्रि मारपीट शुरू कर दी। आरोप यह भी है कि पार्षद पति उस वक्त शराब के नशे में था। शिकायत के अनुसार, सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला यह छात्र अपनी एक्टिवा से गांव में अपनी बड़ी मां के घर जा रहा था। इसी दौरान पार्षद पति विकास चौहान और उनके दो अन्य साथी कथित तौर पर शराब के नशे में धुत होकर जा रहे थे। आरोप है कि उन्होंने छात्र को ठोकर मारी और फ्रि उसकी जमकर पिटाई शुरू कर दी। छात्र हाथ-पांव जोड़ता रहा, लेकिन पार्षद पति ने लात-घूसों से उसे पीटते रहे, जबकि उनके साथी मूकदर्शक बने रहे। पिटाई के बाद डरा-सहमा छात्र रोते हुए अपने घर पहुंचा और परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजन मानिकपुर चौकी पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

पति ने पत्नी के बॉयफ्रेंड के दिल में घोंपा चाकू, मौत

मड़ई में साथ घूमते देखा, शरीर पर 5 घाव मिले थे; वाइफ को भी जड़ा था थप्पड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में एक युवक की हत्या मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी रिश्ते में दामाद और ससुर हैं। पति को शक था कि उसकी पत्नी का युवक से अवैध संबंध है। इसी शक में उसने ससुर के साथ मिलकर युवक को मार डाला। मामला केरेगांव थाना क्षेत्र का है। घटना 25 अक्टूबर को मातर मड़ई कार्यक्रम के दौरान हुई। ग्राम माकरदोना बेहड़ापारा में मातर मड़ई का कार्यक्रम था जहां एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। उसका खून से लथपथ शव कार्यक्रम स्थल से करीब 200 मीटर दूर मिला। इसी रात हमलावरों ने युवक पर चाकू से 5 से ज्यादा वार किए थे। 2 वार दिल के पास थे। बताया जा रहा है आरोपी ने अपनी पत्नी को युवक साथ घूमते देख लिया था।

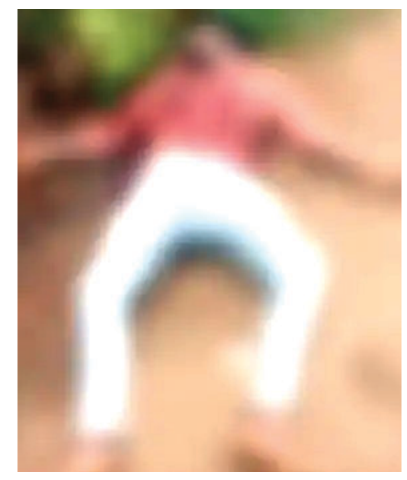

मृतक की पहचान ग्राम झूरातराई के रहने वाले भानु प्रताप मांडवी (24) के रूप में हुई। मौके पर पहुंची पुलिस और स्न्स्रुटीम ने जांच की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि युवक की हत्या हुई है। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि किसी धारदार हथियार से युवक पर हमला किया है। भानु प्रताप मांडवी धमतरी में आटा चक्की में काम करता था। भानु प्रताप 23 अक्टूबर को काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था और 24 अक्टूबर को मातर मड़ई के लिए अपने चाचा पुनूराम मांडवी के घर माकरदोना आया हुआ था। मृतक के भाई राकेश मांडवी ने बताया कि भानु प्रताप के शरीर पर चाकू से 5 से ज्यादा बार मारा था। जिसमें 2 वार दिल के पास लगे थे।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि मुकेश विश्वकर्मा ने मातर मड़ई के कार्यक्रम में पत्नी को भानु प्रताप के साथ घूमते देख लिया था। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद भी हुआ था। इस दौरान मुकेश ने पत्नी को थप्पड़ भी मारा था। दरअसल, मुकेश को पहले से अपनी पत्नी और भानुप्रताप के बीच अवैध संबंध शक था। इसी के चलते उसी रात आरोपी ने गुस्से में आकर भानु प्रताप मंडावी की चाकू से हमलाकर हत्या कर दी। इस वारदात में उसके ससुर दुर्जन विश्वकर्मा ने भी साथ दिया। इस संदेह पर पुलिस ने आरोपी दामाद मुकेश विश्वकर्मा और उसके ससुर दुर्जन विश्वकर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों आरोपियों हत्या के जुर्म को स्वीकार कर लिया। आरोपी मुकेश विश्वकर्मा ने बताया कि उसने पारिवारिक विवाद और अपनी पत्नी से अवैध संबंध के चलते भानु प्रताप की हत्या की। उसके ससुर दुर्जन ने भी घटना के दौरान मृतक पर 2 बार चाकू से हमला किया था।

पुलिस ने घटना में इस्तेमाल स्टील का सब्जी काटने वाला चाकू जब्त कर लिया है और दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

बिलासपुर गोलीकांड: कांग्रेस में वर्चस्व की लड़ाई में चली गोली, 07 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में कांग्रेस नेता पर गोली चलाने वाला मास्टरमाइंड युवा कांग्रेस का पूर्व उपाध्यक्ष विश्वजीत अनंत निकला जो अब पुलिस की गिरफ्त में है। राजनीतिक और जमीन के धंधे में वर्चस्व की लड़ाई के चलते उसने कांग्रेस नेता और जनपद उपाध्यक्ष की हत्या की साजिश रची थी। आरोपी विश्वजीत और उसके सहयोगियों ने दो बार इस साजिश को अंजाम देने की योजना बनाई, जिसमें नाकामयाब हो गए। आखिरकार, तीसरी बार में उसके भाइयों और दोस्तों ने मिलकर 28 अक्टूबर की शाम नितेश सिंह के ऑफ्सि के सामने अंधाधुंध गोलियां बरसाई। मकसद था नितेश और उसके साथियों की हत्या। वारदात के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए 24 घंटे से पहले ही मास्टरमाइंड विश्वजीत और उसके भाई समेत 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें दो नाबालिग है।

खास बात यह है कि हमले का सरगना विश्वजीत का कांग्रेस नेताओं के साथ-साथ अपने समाज के धर्म गुरुओं और राज्य सरकार में मंत्री से भी करीबी रिश्ता है। सोशल मीडिया पर इसके पुराने फ्टोज वायरल हो रहे हैं।

रोज की तरह कांग्रेस नेता नितेश सिंह मस्तूरी स्थित अपने ऑफ्सि के सामने अपने मामा तामेश सिंह, टुकेश सिंह, भाई बृजेश सिंह सहित अन्य रिश्तेदारों के साथ कुर्सी लगाकर बैठे थे। इस दौरान भाजपा नेता विक्रम सिंह और रौशन सिंह के ससुर और मुड़पार के पूर्व सरपंच चंद्रभान सिंह और राजकुमार उर्फ राजू सिंह भी वहां मौजूद थे। तभी अचानक उन्हें पटाखे जैसी आवाज सुनाई दी। इसी बीच एक बुलेट राजकुमार के पैर पर लगी, जिससे वो तड़पने लगे और खून बहने लगा। तब उन्हें पता चला कि सामने से दो युवक पिस्टल से अंधाधुंध फ्यरिंग कर रहे हैं। फ्रि वहां अफ्र-तफ्री मच गई और सभी इधर-उधर भागने लगे। गोलियां बरसने से वहां मौजूद लोग दहशत में आ गए। हालांकि, बुलेट उनके मौत के करीब से होकर गुजर गई और किसी को ज्यादा गंभीर चोंट नहीं लगी।

नितेश और उसके मामा भी पहले हमलावरों पर कुर्सियां फेंकने लगे, जिसके बाद सभी ऑफ्सि के अंदर छिप गए। वहीं, नितेश ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से एक-एक कर 6 फ्यर किए, जिसके डर से हमलावर महज 15 से 20 मिनट में फ्रार हो गए। मौजूद लोगों ने इस घटना की जानकारी पुलिस अफ्सरों को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। गोली लगने से घायल राजकुमार और चंद्रभान सिंह को इलाज के लिए तत्काल अपोलो अस्पताल भेजा गया। वहीं, एसएसपी रजनेश सिंह अपनी टीम के साथ खुद मौके पर पहुंच गए। उन्होंने अपोलो अस्पताल पहुंचकर नितेश सिंह सहित घायलों से भी मुलाकात की। अब दोनों घायलों की हालत सामान्य बताई जा रही है। सरकंडा थाने में डटे रहे एसएसपी, संयुक्त टीम ने दिखाई सक्रियता गोलीकांड के बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने सरकंडा थाना को कंट्रोल रूम बनाया, जहां सारे पुलिस अफ्सरों और शहर के साथ ही ग्रामीण इलाकों के थानेदारों की मीटिंग बुलाई। इस दौरान सभी को अलग-अलग टास्क देकर रवाना किया गया। नतीजा ये हुआ कि महज कुछ ही घंटों में हमलावरों की पहचान हो गई, जिसके बाद उनकी धरपकड़ भी शुरू कर दी।

अलग-अलग जगहों से पकड़े गए हमलावर

पुलिस की टीम ने 29 अक्टूबर की देर रात कोरबा, रायपुर, पामगढ़ सहित सभी संभावित ठिकानों पर पहुंची, जहां से हमलावरों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने मास्टरमाइंड विश्वजीत अनंत के साथ ही उसके तीन भाई समेत सात आरोपियों को चिन्हिंत किया।

तीन आदतन बदमाश एक साल के लिए जिला बदर, जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए धमतरी प्रशासन और पुलिस लगातार सख्त रुख अपनाए हुए हैं। इसी क्रम में जिला कलेक्टर एवं दंडाधिकारी धमतरी ने पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर तीन आदतन बदमाशों को एक वर्ष के लिए जिला बदर करने का आदेश पारित किया है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(क) और 5(ख) के तहत की गई है। आदेश के अनुसार, तीनों अपराधियों को जिला धमतरी और इसके समीपवर्ती रायपुर, बालोद, कांकेर, गरियाबंद, दुर्ग और कोण्डागांव जिलों की राजस्व सीमाओं से एक वर्ष के लिए बाहर रहने का निर्देश दिया गया है। इन अपराधियों पर कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, और उनकी गतिविधियों से क्षेत्र में भय और असुरक्षा का वातावरण बन रहा था।

जिला बदर किए गए तीनों बदमाश- सागर ढीमर उर्फ वाल्मिकी ढीमर उर्फ चेपटा, पिता स्व. गंगाधर ढीमर, उम्र 22 वर्ष, निवासी रामसागर पारा, थाना सिटी कोतवाली धमतरी — एक वर्ष के लिए जिला बदर। टुमेन्द्र लहरे, पिता जगदीश लहरे, उम्र 25 वर्ष, निवासी हटकेशर वार्ड, थाना सिटी कोतवाली धमतरी — एक वर्ष के लिए जिला बदर।

राम सोनकर उर्फ ढोलू, पिता स्व. जेठूराम सोनकर, उम्र 26 वर्ष, निवासी कारगिल चौक, महिमा सागर वार्ड, थाना सिटी कोतवाली धमतरी — एक वर्ष के लिए जिला बदर। कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश-जिला दंडाधिकारी ने आदेश जारी करते हुए कहा कि तीनों बदमाश एक वर्ष की अवधि समाप्त होने से पहले सक्षम न्यायालय की अनुमति के बिना जिले की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

यदि वे आदेश का उल्लंघन करते हैं, तो उन्हें बलपूर्वक जिले की सीमा से बाहर निकाला जाएगा, और राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। पुलिस प्रशासन अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रख रहा है।

धमतरी पुलिस ने वर्ष 2025 में अपराध नियंत्रण के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। पुलिस ने अपराधियों की पहचान, निगरानी और कानूनी कार्रवाई के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया है। 27 गुंडा-बदमाशों के विरुद्ध सामाजिक गुंडा फ्इल खोली गई है। 8 निगरानीशुदा अपराधियों के खिलाफ निगरानी फ्इल तैयार की गई है। 13 प्रकरण जिला दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 10 अपराधियों को जिला बदर किया जा चुका है।

नाबालिग को चोरी के शक में खंभे से बांधकर पीटा, 2 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां चाय-नाश्ते की दुकान में चोरी के शक में एक नाबालिग लड़के को बंधक बनाकर खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 27 अक्टूबर की सुबह करीब 4 बजे की है। राजीव नगर निवासी प्रकाश नेताम अपनी दुकान में चाय-नाश्ता और किराना सामग्री बेचता है। उसी दौरान दुकान से गोली, बिस्किट और सिगरेट गायब हो गए। इस पर प्रकाश नेताम और उसके भाई दीपक नेताम ने चोरी का शक अपने ही इलाके के एक नाबालिग पर जताया। दोनों ने नाबालिग को पकड़कर दुकान के पास स्थित एक खंभे से रस्सी से बांध दिया और उसकी बेल्ट, हाथ और थप्पड़ों से पिटाई की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया और बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि नाबालिग डरा-सहमा खंभे से बंधा हुआ है और आरोपी उसे लगातार पीट रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित परिवार अपमान और मानसिक तनाव में आ गया। पीड़ित नाबालिग के पिता ने सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि उनके बेटे को चोरी का झूठा आरोप लगाकर बंधक बनाकर मारा गया और वीडियो बनाकर उसकी बेइज्जती की गई। उन्होंने पुलिस से आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपी- प्रकाश नेताम और दीपक नेताम को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(2), 127(2), 3(5) के साथ-साथ बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम 2015 की धारा 74 व 75 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि सोशल मीडिया में वायरल वीडियो को देखने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। पीड़ित बच्चे की पहचान कराई गई और उसके पिता से संपर्क साधा गया। शिकायत मिलने के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। डीएसपी बनर्जी ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून अपने हाथ में लेना अपराध है। अगर किसी पर चोरी या अन्य संदेह है, तो उसकी जानकारी पुलिस को दी जानी चाहिए, न कि स्वयं सजा देने का प्रयास किया जाए। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि वीडियो में दिखी क्रूरता बाल अधिकार संरक्षण कानूनों का गंभीर उल्लंघन है, और भविष्य में ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने पीड़ित नाबालिग का बयान दर्ज किया है और उसके चिकित्सीय परीक्षण की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। फ्लिहाल बच्चा अपने परिवार के साथ सुरक्षित है। अधिकारियों ने कहा कि वीडियो वायरल करने वालों की भी पहचान की जा रही है ताकि साइबर कानून के तहत उचित कार्रवाई की जा सके। घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को न्याय देने या सजा देने का अधिकार केवल कानून को है। नाबालिग पर इस तरह की हिंसा समाज के लिए शर्मनाक है और मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

होटल की जांच में पुलिस के हत्थे चढ़े पांच संदिग्ध, टोना-टोटका का सामान बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने शहर के होटल व ढाबों की आकस्मिक जांच की। इस दौरान कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक होटल में पांच संदिग्ध पुलिस के हत्थे चढ़े। ओडिशा से यहां आकर ठहरे इन लोगों के पास से पुलिस को टोना टोटका का सामान मिला। एक के पास धारदार चाकू भी बरामद किया गया। सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार 28 अक्टूबर की रात थाना दुर्ग क्षेत्र में पुलिस टीम ने होटल, लॉज और ढाबों की सघन चेकिंग की। होटल न्यू इंडिया इंदिरा मार्केट दुर्ग में चेकिंग के दौरान होटल के रूम में 05 संदिग्ध व्यक्ति कोरापुट ओडिशा निवासी मिले। पूछताछ के दौरान संदिग्ध पाए जाने पर इनके मोबाइल चेक किया गया । मोबाइल में जादू टोना से संबंधी छायाचित्र एवं विडियों मिलने जिसमें हनुमान छाप सिक्का, लक्ष्मी छाप सिक्का, अन्य संदिग्ध छायाचित्र मिले। यह सभी ओड़िशा से आकर आम नागरिकों को झांसे में लेकर पैसे ऐंठने का काम करते थे। सभी संदिग्धों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई तथा चेंकिग के दौरान एक व्यक्ति से चाकू मिलने पर पृथक से आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

यह हैं संदिग्ध जिन पर हुई कार्रवाई: 1. के चंद्रशेखर निवासी मेटेडारा गली सालूर पारवलीपुरम उड़िसा 2. अनंत पुजारी निवासी टिकिरा स्ट्रीट कोरापुट उड़िसा 3. एम.सत्सा राव निवासी कोरापुट उड़िसा 4. लक्ष्मी नारायण खिलो निवासी कोरापुट उड़िसा 5. दैतारी माली ग्राम सालपगुडा पोस्ट पाहाफुलवेडा जिला कोरापुट थाना कोरापुट उड़िसा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202510101000087/
विषय:- अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026
कोहका प.ह.न. 00045
[66/27(0.0140हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार रविशंकर कुमार,
अनावेदक पक्षकार -किरण शर्मा,

ईश्तहार

आवेदक - रविशंकर कुमार पिता/पति/विभाग-मथुरा प्रसाद पता-सेक्टर 11 जोन 02 खुर्सीपार द्वारा ग्राम-कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला - दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 66/27 रकबा 0.0140 हे. भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 28/03/2023 को विक्रेता किरण शर्मा पिता/पति/विभाग- अरूण कुमार शर्मा पता शांति नगर कोहका भिलाई तह. व जिला दुर्ग से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 07.11.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/10/2025 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील, भिलाई नगर (छ.ग.)

बाबा कार्तिक उरांव ने जनजातीय समाज के उत्थान हेतु अपना जीवन किया समर्पित - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनजातीय समाज के महान शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं राष्ट्रनायक बाबा कार्तिक उरांव की जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर आज अंबिकापुर में भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने बाबा कार्तिक उरांव जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबा कार्तिक उरांव समाज के गौरव हैं। उन्होंने विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद अपनी धर्म, संस्कृति और सभ्यता को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने पुरखों के बताए हुए मार्ग पर चलते हुए उच्चतम शिक्षा अर्जित की और समाज को दिशा दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव का यह कथन-जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही समाज को गढ़ेंगे- आज भी हमें प्रेरित करता है। उन्होंने जनजातीय समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक एकता के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज के सर्वांगीण विकास का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नगर निगम कार्यालय के समीप बनने वाले बाबा कार्तिक उरांव चौक का भूमि पूजन किया तथा मूर्ति एवं चौक निर्माण के लिए ?40.79 लाख की राशि की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह चौक बाबा कार्तिक उरांव के आदर्शों, विचारों और योगदान की स्मृति को सहेजने का प्रतीक बनेगा।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समाज के उत्थान और विकास के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। हमें उनके बताए हुए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज की संस्कृति, सभ्यता, परंपरा और रीति-रिवाजों को सम्मान देते हुए समाज को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने सदैव समाज में एकता, शिक्षा और जागरूकता का संदेश दिया। आज यह आवश्यक है कि हम उनके आदर्शों और बताए मार्ग पर चलकर समाज को संगठित करें और एकता के सूत्र में बांधें, जिससे जनजातीय समाज सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनकर देश के विकास में अपनी भागीदारी निभा सके।

इस अवसर पर सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, जशपुर विधायक रायमुनी भगत, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नवीन विधानसभा भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल होने का दिया आमंत्रण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को आगामी 1 नवम्बर को आयोजित होने वाले नवीन विधानसभा भवन के लोकार्पण समारोह में आमंत्रित करते हुए औपचारिक आमंत्रण पत्र भेंट किया। मुख्यमंत्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष और गर्व का अवसर है कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की रजत जयंती वर्ष के शुभ अवसर पर प्रदेश की जनता को नवीन विधानसभा भवन समर्पित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कर-कमलों से इस भव्य एवं सुसज्जित विधानसभा भवन का लोकार्पण प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण होगा। उन्होंने कह कि यह भवन छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक परंपराओं, विकास यात्रा और जनभावनाओं का प्रतीक बनेगा, जिसके हम सभी साक्षी बनेंगे।

लोरमी के चौक-चौराहों में लगे सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी अपराध में आएगी कमी, ट्रैफिक व्यवस्था होगी दुरुस्त : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी के भव्य मानस मंच के जीर्णोद्धार कार्य का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक अरुण साव ने लोरमी के भव्य मानस मंच के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कुल 123 करोड़ रुपए की लागत से पांच सड़कों के निर्माण कार्य, चौक-चौराहों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का लोकार्पण, तथा एक सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। साथ ही लोरमी के निजी अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन समर्पित किया।

श्री साव ने कार्यक्रम में आए वरिष्ठजनों को बेर से बनी प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। आगामी 2 नवंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ प्रसिद्ध कथा वाचक चिन्मयानंद बाबू जी मानस मंच पर श्रीराम कथा का वाचन करेंगे। 10 नवंबर को कथा का समापन होगा। श्री साव ने समस्त लोरमी वासियों को कथा श्रवण के लिए आमंत्रित किया।

कार्यक्रम में श्री साव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि लोरमी के मानस मंच का लोकार्पण मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। यह मंच लोरमी नगर की आस्था, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। 1982 में स्थापित यह मंच पिछले 45 वर्षों से सतत कथा आयोजन का केंद्र रहा है, जहां नगरवासी और श्रद्धालु बड़े-बड़े विद्वानों से श्रीराम कथा का श्रवण करते आए हैं।

उन्होंने कहा कि दीवारों पर श्रीरामचरितमानस के चित्रों के साथ अंकन का उद्देश्य समाज में धार्मिक, नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रसार करना है। जब लोग इन चौपाइयों को पढ़ेंगे और जीवन में उतारेंगे, तो निश्चित रूप से उनके जीवन में सुख, शांति और सदाचार का संचार होगा। हमारे भगवान श्रीराम जीवन को सतमार्ग की ओर ले जाने वाले आदर्श हैं।

इस अवसर पर नगरवासियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर अयोध्या के स्वरूप में प्रभु श्रीराम के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट किया। मानस मंच परिसर की दीवारों पर श्रीराम जन्म से लेकर राजतिलक तक के प्रसंगों का चित्रण किया गया है, जिसकी चौपाइयों को पढ़ने में घंटों लगेंगे।

मानस मंच का सौंदर्यीकरण कार्य 1 करोड़ 71 लाख रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है। वहीं 45 लाख 47 हजार रुपए की लागत से सार्वजनिक स्थलों एवं चौक-चौराहों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त 24 करोड़ 14 लाख रुपए की लागत से मुंगेली-लोरमी मार्ग (ग्राम तुलसाघाट से लपटी रपटा तक), 2 करोड़ 62 लाख रुपए में तुलसाघाट से लपटी रपटा मार्ग, 1 करोड़ 99 लाख रुपए में तिलकपुर से झलरी पहुंच मार्ग, 1 करोड़ 37 लाख रुपए में ग्राम अखरार श्मशान घाट पहुंच मार्ग, 1 करोड़ 14 लाख रुपए में ग्राम नवरंगपुर डिंडोरी डी-3 नहर से आवास मोहल्ला तक ब्रिज निर्माण, तथा 70 लाख रुपए में कारीडोंगरी सीसी रोड निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही 88 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से बनने वाले लोरमी-पंडरिया मार्ग (शासकीय कॉलेज से गोड्खाम्ही तक फोरलेन सड़क) का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुजीत वर्मा, उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल, जनपद अध्यक्ष वर्षा सिंह, गुरमीत सलूजा, विनय साहू और सुशील यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वरिष्ठ जन पं. सच्चिानंद तिवारी (राजपुरोहित), विवेक गिरी महराज, गौरकापा, पूर्व विधायक ठाकुर भूपेन्द्र सिंह, कोमल गिरी, राधेश्याम अग्रवाल, रामलाल जायसवाल, रतनमणी केशरवानी,पवन अग्रवाल, रामावतार ध्रुव, बंशी साहू, विद्या दुबे, नवरंगपुर, परमानंद तिवारी, उदय साहू, लाखासार, सत्यनारायण तिवारी, शारधा, जगदीश सोनी, अध्यक्ष श्रीराम कथा समिति महेत्तर कश्यप, बटहा, शिवकुमार पाण्डेय, पिपरखुटी, दर्शन महराज, कोतरी, अशोक उपाध्याय, नवागॉव जैत, मणिककांत पाठक, मसनी, राजाराम, लालपुर कला, विश्राम तिवारी, लोरमी, लक्ष्मी शर्मा, लोरमी, कुमारी अदिति तिवारी, शिवकुमार पाठक, विनोद तिवारी, रमाकांत मिश्र, गौरकापा, मूलचंद तिवारी, अशोक शर्मा, शिक्षक फणेश्वर पाटले, सुदर्शन साई तेली, खाम्ही सहित अन्य लोगों को लोरमी में बेर से बनी प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट की।

रायपुर में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार होगी फिल्म सिटी

स्थानीय कलाकारों और युवाओं को मिलेगा मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की नवनियुक्त अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) सुश्री मोना सेन ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड कार्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य द्वारा फिल्म सिटी परियोजना और फिल्म नीति से संबंधित विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

श्री आचार्य ने नया रायपुर में प्रस्तावित फिल्म सिटी के निर्माण का विस्तृत खाका साझा करते हुए उसका प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को फिल्म निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है, जिससे पर्यटन, रोजगार और संस्कृति तीनों को नई मजबूती मिलेगी।

प्रेजेन्टेशन देखने के बाद सुश्री मोना सेन ने कहा कि रायपुर में अत्याधुनिक तकनीक और सृजनात्मक सुविधाओं से युक्त फिल्म सिटी का निर्माण राज्य की ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना से स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ-साथ प्रशिक्षण और तकनीकी दक्षता के अवसर मिलेंगे। सुश्री सेन ने छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यह समय है जब प्रदेश के कलाकारों और तकनीशियनों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म मिले। फिल्म सिटी इस दिशा में एक ठोस कदम साबित होगी।

बैठक में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के महाप्रबंधक श्री वेदव्रत सिरमौर, उपमहाप्रबंधक श्रीमती पूनम शर्मा अन्य अधिकारी और कंसलटेंट उपस्थित थे।

रजत जयंती राज्योत्सव में झलकेगा छत्तीसगढ़ का स्वाभिमान और संस्कृति का उजास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना की रजत जयंती यानी 25वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। इस अवसर पर पूरे प्रदेश में उत्सव का माहौल है। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में 2 से 4 नवम्बर तक आयोजित होने वाले राज्योत्सव-2025 की तैयारियाँ जोरों पर हैं। इस तीन दिवसीय आयोजन में छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपराएँ, लोक कलाएँ और सांस्कृतिक विविधता अपने पूरे वैभव के साथ झलकेगी। इस वर्ष के राज्योत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल होंगे। राज्योत्सव का उद्घाटन प्रथम दिन गरिमामय समारोह में होगा, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, जनजातीय समाज के कलाकार एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहेंगे।

राज्योत्सव कार्यक्रम में प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्याएँ आयोजित होंगी, जिनमें प्रदेशभर से आए लोक कलाकार और नृत्य दल अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। पारंपरिक लोकनृत्य, पंथी-राउत नाचा, करमा, सुआ नृत्य और ढोलक की थाप पर थिरकती झांकियाँ छत्तीसगढ़ की लोकगंध को उजागर करेंगी।

इसके साथ-साथ स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-विक्रय, महिला स्व सहायता समूहों के स्टॉल और शासकीय योजनाओं की जानकारी देने वाले काउंटर भी लगाए जाएंगे। राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की सुगंध से महकेगा फूड जोन, वहीं युवा कलाकारों के लिए मंच भी विशेष आकर्षण का केंद्र होगा।

जिला कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने अधिकारियों को आयोजन की संपूर्ण व्यवस्थाएँ समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा, यातायात और नागरिक सुविधाओं को लेकर सभी विभागों में समन्वय स्थापित किया गया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर छत्तीसगढ़ की रजत जयंती का उत्सव मनाएँ।

बुलंद हौसलों के साथ आगे बढ़ने वालों को मिलती है सफलताः अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवा अपने लिए दिशा निर्धारित करें, मंजिल निर्धारित कर खुद को सीमाओं में न बांधे। उड़ने के लिए सारा आकाश खुला है। अपने जीवन और करियर में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचने का प्रयास करें। बुलंद हौसलों के साथ आगे बढ़ने वालों को ही सफलता मिलती है। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में अंतर-महाविद्यालयीन युवा उत्सव का शुभारंभ करते हुए ये बातें कहीं।

29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों के 953 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। वे अगले तीन दिनों तक नृत्य, संगीत, साहित्य, थिएटर और फाइन आर्ट्स में अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे।

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय अपने कैंपस और संबद्ध कॉलेजों में उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस साल अगस्त माह में नैक (ह्रष्ट) के मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को ए-प्लस ग्रेड मिला है जो कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अध्ययन के साथ-साथ अन्य गतिविधियों पर भी जोर दिया जा रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप वर्ष 2023-24 से विश्वविद्यालय में संचालित सभी पाठ्यक्रमों में इंटर्नशिप अनिवार्य किया गया है। पिछले ढाई वर्षों में यहां 16 नए रोजगारमूलक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं।

नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने राज्य शासन के सहयोग से इनोवेशन एंड इन्क्युबेशन सेंटर भी स्थापित किया गया है। विगत ढाई वर्षों में विश्वविद्यालय के 32 प्राध्यापकों को विभिन्न एजेंसीज की शोध परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं। प्रो. शुक्ला ने बताया कि अंतर-महाविद्यालयीन युवा उत्सव के विजेता प्रतिभागी एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटिज द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में हिस्सेदारी करेंगे।

युवा उत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम को छात्र कल्याण के अधिष्ठाता एवं आयोजन के समन्वयक प्रो. राजीव चौधरी और कुल सचिव प्रो. अम्बर व्यास ने भी संबोधित किया।

कुल अनुशासक (प्रॉक्टर) प्रो. ए.के. श्रीवास्तव और सह-प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमेटी सहित विश्वविद्यालय तथा विभिन्न कॉलेजों से अपनी टीम लेकर आए प्राध्यापकगण, प्रतिभागी छात्र-छात्राएं एवं अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में शुभारंभ कार्यक्रम में मौजूद थे।

विभिन्न कॉलेजों के 953 युवा ले रहे हिस्सा

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर-महाविद्यालयीन युवा उत्सव में विभिन्न कॉलेजों के 953 युवा हिस्सेदारी कर रहे हैं। इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में से गीत-संगीत में 177, नृत्य में 373, साहित्यिक आयोजनों में 82, फाइन आर्ट्स में 107 और थिएटर में 204 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

युवा उत्सव का किया शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अंतर-महाविद्यालयीन युवा उत्सव के शुभारंभ समारोह में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का शिक्षा का बड़ा केंद्र रहा है। एक समय पूरा छत्तीसगढ़ इसका कार्यक्षेत्र हुआ करता था। यहां पढ़े अनेक लोग देश-विदेश में प्रतिष्ठित पदों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है और देश की उम्मीदें नवजवानों से है। इस युवा उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएं आपकी सांस्कृतिक, साहित्यिक और कलात्मक प्रतिभाओं को परिष्कृत करेंगी। युवा उत्सव का यह मंच आपकी प्रतिभा को निखारेंगी। उन्होंने महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं को आह्वान करते हुए कहा कि यहां आप अपनी प्रतिभा का शत-प्रतिशत प्रदर्शन करें, परिणाम की चिंता न करें। आप जीते या हारे... लेकिन इस भागीदारी से आप बहुत कुछ सीखकर जाएंगे। यह उत्सव आप सभी का हौसला और आत्मविश्वास बढ़ाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950